डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शनिवार 11 फरवरी,2023 वर्ष–07 / अंक–271 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

महाराष्ट्र को दो वंदे भारत की सौगात ट्रेन में छात्रा ने सुनाया ऐसा गाना कि पीएम मोदी कर उठे वाह वाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में दो वंदे भारत ट्रेनों मुंबई–सोलापुर और मुंबई–साईनगर शिर्डी को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा उन्होंने दो सड़क परियोजनाओं–सांताक्रूज चेंबूर

लिंक रोड और कुरार अंडरपास परियोजना का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने सुना छात्रा से गीत और कह उठे वाह वाह. ..

वहीं, पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन में मौजूद स्कूली बच्चों से भी बातचीत की। इस दौरान एक छात्रा ने उनको एक गीत भी सुनाया। छात्रा का गीत सुनकर पीएम मोदी भी उसकी तारीफ किए बिना नहीं रह सके। पीएम मोदी ने छात्रा का गीत सुनते ही वाह बोल उठे।

पीएम मोदी ने इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर दिया जोर

इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पहली बार एक साथ 2 वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत हुई है।यह राज्य में पर्यटन और तीर्थ यात्रा को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन आज के आधुनिक होते हुए भारत की शानदार तस्वीर है। यह भारत की स्पीड और स्केल का प्रतिबिंब है। आप देख रहे हैं कि देश में कितनी तेजी से वंदे भारत लॉन्च हो रही हैं। अब तक 10 ऐसी ट्रेनें लॉन्च हो चुकी हैं। आज देश के 17 राज्यों के 108 जिले वंदे भारत से जुड़ चुके हैं।

भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर जोर देते हुए पीएम ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार 10 लाख करोड़ रुपए सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से लिए रखे गए हैं। यह 9 साल की तुलना में 5 गुना अधिक है जिसमें रेलवे का हिस्सा 2.5 लाख करोड़ है। मुझे विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार के डबल प्रयासों से महाराष्ट्र में कनेक्टिविटी और तेजी से आधुनिक होगी।

एकनाथ शिंदे ने कही ये बात

इस मौके पर अपने संबोधन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि बजट में महाराष्ट्र को क्या मिला, लेकिन उन्होंने शायद उसे पढ़ा नहीं। शिंदे ने कहा कि जैसा कि रेल मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को कभी भी रेलवे के लिए 13,500 करोड़ रुपये नहीं मिले। पहली बार राज्य में रेलवे के लिए इतनी राशि आवंटित की गई है।

मुंबई–सोलापुर और मुंबई–साईनगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राज्य को एक साथ दो वंदे भारत की सौगात दी गई है। उन्होंने एलान किया कि ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को अंतरराष्ट्रीय स्तर का टर्मिनस बनाने का काम शुरू हो गया है।

जानें समय और टिकट की कीमत

मुंबई–सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस मुंबई और सोलापुर के बीच 455 किलोमीटर की दूरी छह घंटे 30 मिनट में तय करेगी, जिससे वर्तमान में लगने वाले समय में लगभग एक घंटे की बचत होगी। मुंबई–साईंनगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस को शिरडी तक 343 किलोमीटर की दूरी तय करने में पांच घंटे 25 मिनट का समय लगेगा।

मध्य रेलवे (सीआर) के एक अधिकारी ने बताया कि सीएसएमटी–सोलापुर वंदे भारत ट्रेन में खानपान सेवा के बिना एक तरफ का किराया 'चेयर कार' के लिए एक हजार रुपये और 'एक्जीक्यूटिव चेयर कार' के वास्ते 2,015 रुपये होगा, जबकि खानपान के साथ इन श्रेणियों का किराया क्रमशः 1,300 रुपये और 2,365 रुपये होगा। उन्होंने बताया कि सीएसएमटी से साईंनगर शिरडी के लिए खानपान सेवा के बिना एक तरफ की यात्रा का किराया 'चेयर कार' और 'एक्जीक्यूटिव चेयर कार' के लिए क्रमशरू 840 रुपये और 1670 रुपये होगा, जबकि खानपान सेवा के साथ टिकट की कीमत क्रमशः 975 रुपये और 1840 रुपये होगी।

एक महीने से भी कम समय में मोदी का शहर का यह दूसरा दौरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 19 जनवरी को मुंबई में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा और स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था।

वंदे भारत से लोगों को यात्रा में मिलेगी सहूलियत

पीएम मोदी जिन दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे, उससे तीर्थस्थलों की यात्रा सुगम हो सकेगी।

मुंबई–साईंनगर शिर्डी वंदे भारत ट्रेन देश की 10वीं वंदे भारत ट्रेन होगी।

यह ट्रेन महाराष्ट्र में नासिक, त्र्यंबकेश्वर, साईंनगर शिर्डी, शनि शिंगणापुर जैसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों तक यात्रा कराएगी।

मुंबई से सोलापुर के बीच वंदेभारत एक्सप्रेस सिद्धेश्वर, सोलापुर के पास अक्कलकोट, तुलजापुर, पंढरपुर एवं पुणे के पास आलंदी जैसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के लिए यात्रा की बेहतरीन सुविधा देगी।

मोहन भागवत के इस बयान से सहमत हैं योगी आदित्यनाथ, बोले– 'एकदम सही बात कही है'

आरएसएस चीफ मोहन भागवत फिलहाल जाति प्रथा को लेकर दिए अपने एक बयान की वजह से चर्चा में बने हुए हैं. हालांकि इस बीच यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनके एक पुराने बयान का समर्थन किया है जो उन्होंने भारतीय मुस्लिमों को लेकर दिया था.एक निजी टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में यूपी के सीएम ने कहा कि माननीय सरसंघ संचालक जी ने एकदम सही परिपेक्ष में बात कही है. हर भारतीय को जाति मजहब से उठकर अपने आप को एक भारतीय नागरिक मानना पड़ेगा और भारत का दृष्टिकोण भी यही कहता है. सबको एक समग्र दृष्टि से देखने का प्रयास करेंगे तो कहीं विवाद नहीं होगा.'क्या कहा था मोहन भागवत ने?बता दें पिछले दिनों संघ प्रमुख ने आरएसएस के मुखपत्र

ऑर्गनाइजर और पांचजन्य को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि यह सरल सत्य है कि हिन्दुस्तान को हिन्दुस्तान ही रहना चाहिए. आज भारत में रह रहे मुसलमानों को कोई खतरा नहीं है. इस्लाम को कोई भय नहीं है. लेकिन साथ साथ मुसलमान अपनी श्रेष... मुसलमान अपनी श्रेष्ठता से जुड़े बड़बोले बयानों को छोड़ दें.इस दौरान भागवत ने मुस्लिमों को लेकर कहा कि हम महान जाति के हैंय हमने इस देश पर शासन किया है, और फिर से शासन करेंगे. सिर्फ हमारा रास्ता सही है, बाकी सब गलत हैं. हम अलग हैं, इसलिए हम ऐसे ही रहेंगे. हम एक साथ नहीं रह सकते, मुसलमानों को इस धारणा को छोड़ देना चाहिए. यहां रहने वाले चाहे हिंदू हों या कम्युनिस्ट, सबको इस भाव को छोड़ देना चाहिए.

सरकारी, ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जों पर होगी कार्रवाई

जिला स्तरीय एंटी भू–माफिया टास्क फोर्स एवं अवैध खनन, परिवहन तथा ओवरलोडिंग पर रोक लगाये जाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार मे बैठक हुयी। जिलाधिकारी दीपा रंजन ने उप जिलाधिकारियों व संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों की सरकारी जमीन, ग्राम समाज की जमीन, चारागाह, तालाब, चकरोड, व खलिहान आदि पर अवैध कब्जा करने वालों को लेखपालों के माध्यम से चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिए कि जिन लोगों ने एक ही जमीन को कई लोगों को बार–बार फर्जी तरीके से बेंचने, बिना ले आउट व बिना स्वीकृति के अवैध रूप से प्लाटिंग करने वाले भू–माफियाओं को चिन्हित करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होने तहसील स्तरीय भू–माफिया टास्क फोर्स की बैठकें नियमित रूप से करने के निर्देश दिए साथ ही नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारियों को नगरीय क्षेत्र मे भू–माफियाओं पर कड़ी नजर रखते हुए उन्हे चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होने लोक निर्माण सिंचाई व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाएं। बैठक मे जिलाधिकारी ने अवैध खनन, परिवहन तथा ओवरलोडिंग पर प्रभावी रूप से रोक लगाये जाने के निर्देश दिए। कहा कि ओवरलोडिंग करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होने अवैध खनन करने वालों की औचक चेकिंग और नदी की जलधारा मे मशीनों से किसी भी दशा मे अवैध खनन न होने पाए। बैठक मे पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी उपजिलाधिकारी, खनन अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसीलदार उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने किच्छा नगर मंडल के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया स्वागत

किच्छा– पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने आज अपने आवास पर भारतीय जनता पार्टी किच्छा नगर मंडल के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र भेंट कर कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया! स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान होता है ! भाजपा गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा, किसान सबके लिए बरहो महीने काम करने वाली पार्टी है। कहा कि आगामी चुनाव को मद्देनजर रखते हुए पार्टी ने मनमोहन सक्सेना के नेतृत्व में किच्छा नगर की नई कार्यकारिणी मे जिन कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक नए कार्यकर्ताओं को जोडे। कहा कि सभी कार्यकर्ता आपस के मतभेद को भुलाकर पार्टी को मजबूती के लिए मंडल अध्यक्ष मनमोहन सक्सेना के साथ मिलकर कार्य करें जिसका लाभ आगामी चुनाव में पार्टी को मिल सके। नई कार्यकारिणी में मंडल अध्यक्ष मनमोहन सक्सेना, महामंत्री गोल्डी गोराया, मुकेश कोली, उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, प्रकाश पंत, नितेश वाला, श्रीमती संगीता शर्मा, मंत्री गिरीश वर्मा, अंशुल गंगवार, ज्योति जरिया, पूरन चंद भट्ट, शोभित शर्मा, कोषाध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, मीडिया प्रभारी चंदन जयसवाल, आईटी संयोजक नितिन चरण, सोशल मीडिया संयोजक प्रहलाद खुराना का कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया! स्वागत कार्यक्रम में कुंदन लाल खुराना, धर्म राज जायसवाल, विवेक राय, कमलेंद्र सेमवाल, लता सिंह, संदीप अरोरा, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, धनीराम, सुभाष तनेजा, सुरेंद्र चौधरी, राजीव सक्सेना, सचिन सक्सेना, सचिन चरण, सुरेंद्र सिंह भुल्लर , भूपेंद्र पाठक, राकेश कश्यप, महेंद्र ठाकुर, नंद लाल प्रजापति, मोहन सिंह एरी, राजेश कुमार कोली, नीरज, रितिक कश्यप, लता सिंह, आरती दुबे, जैसलमेरी देवी, प्रकाश अरोरा ,नंद लाल यादव ,आशीष तिवारी, उमेश पाल ,हीरा प्रजापति ,महेंद्र पाल, राजेश गोली ,सेल शुक्ला, मधु गुप्ता, बलकेश चौधरी, इंदु शर्मा , अंजनी सोनी,इंदु शर्मा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे!

डॉ योगेश दुबे ने किया भाजपा नेता अजय कुमार उपाध्याय का सम्मान

मुंबई। मुंबई की यात्रा पर आए कछवां , मिर्जापुर के भाजपा नेता तथा किसान मोर्चा में चीनी मिल तथा गन्ना समिति के राष्ट्रीय सह संयोजक अजय कुमार उपाध्याय का आज बोरीवली पूर्व स्थित उत्तर भारतीय महासंघ कार्यालय में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ योगेश दुबे द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनके साथ कछवां के मंडल अध्यक्ष मनोज पांडे तथा किसान मोर्चा के मंडल मंत्री रवि सिंह भी उपस्थित रहे। डॉ योगेश दुबे ने अजय कुमार उपाध्याय द्वारा जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास मंत्र के साथ काम कर रहे उपाध्याय जी हर वर्गों के बीच लोकप्रिय हैं। अजय कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में भाजपा की संगठनात्मक ताकत लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जनहित योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि 2024 में बीजेपी उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर विजय हासिल करेगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा हांथ से हांथ जोड़ो अभियान के आज आठवें दिन

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह एवं ब्लॉक मझियार के पदाधिकारियों के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मझिगवां में घर–घर जाकर आम जनता जनार्दन से मुलाकात कर देश में लगातार बढ़ रही मंहगाई, बेरोजगारी,गिरती अर्थव्यवस्था, एवं भाजपा की जनविरोधी नीतियों को लेकर आयोजित किया गया।, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में घर घर जाकर सभी कांग्रेस जनों ने आम जनता जनार्दन से मुलाकात कर भाजपा और शिवराज सरकार नाकामियों को बताया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष श्री त्रियुगीनारायण शुक्ला भगत जी श्री लालमणि पांडे, श्री धर्मेन्द्र तिवारी बब्बुल, दिवाकर द्विवेदी, पूर्णेन्द द्विवेदी, राजेश तिवारी श्री शिवकुमार तिवारी जी, श्री जवाहरलाल द्विवेदी ,प्रशांत कुमार गर्ग, लक्ष्मी प्रसाद शर्मा,आनंद द्विवेदी , पुर्णनेद्र सिंह ,विनोद कुमार तिवारी, बैजनाथ सिंह, शिवशंकर सिंह, देवेन्द्र सिंह, मोती लाल सिंह, राजमणि तिवारी, गयाप्रसाद तिवारी, तुलसी दास तिवारी, रुद्रप्रताप सिंह, कपिल देव सिंह, समर बहादुर सिंह,विनित मिश्रा, सत्यम तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, बृजेंद्र द्विवेदी, मनीष दाहिया,धीरू सिंह, वाल्मीकि गुप्ता, आशीष गुप्ता,दादोली कोल, पुष्प राज सिंह सुखलाल रजक,लाल जी श्रीवास्तव, संजीव द्विवेदी।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चरवा पुलिस उ0नि0 सुनील कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 21/23 धारा 363/366/504/506 भादवि से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्तों 1. मान सिंह पासी पुत्र स्व0 राम प्रताप 2. दिलीप कुमार पासी पुत्र शंकर निवासीगण मिरकुंडी मजरा सैय्यद सरावां थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

350 ग्राम नाजायज गांजा के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना प0 शरीरा पुलिस उ0नि0 रघुराज यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा रात्रिगस्त/वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त रहमान अली पुत्र सहाबुद्दीन नि0 पूरब शरीरा थाना प0 शरीरा जनपद कौशाम्बी को नहर पुलिया पूरब शरीरा से 350 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 27/23 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

09 ओवरलोड वाहनों को सीज किया गया

कौशाम्बी जनपद में ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 1002. 2023 को एआरटीओ कौशाम्बी, खनन अधिकारी कौशाम्बी एवं थाना करारी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग के दौरान उपखनिज का अवैध परिवहन करने पर ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 09 ट्रकों को मात्रा से अधिक मोरम/बालू का लदा हुआ पाये जाने पर अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।
सीज वाहनो0 का विवरण–

1- UP70GT1845
2- UP70FT2846
3- UP53DT2229
4- UP70ET8543
5- UP36T3011
6- UP32EN8899
7-UP72AT3411
8- UP73A6912
9-UP33AT0777

02 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी थाना प0 शरीरा पुलिस उ0नि0 रघुराज मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 136/18 धारा 498ए/304बी/328 भादवि व 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित 02 वारंटी अभियुक्तों 1. राम स्वरूप पुत्र भुखई 2. अशोक पुत्र भुखई निवासीगण ग्राम व थाना प0 शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

08 ली0 अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी जनपद में अवैध शराब के निर्माण एवं तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में थाना महेवाघाट पुलिस का0 विशाल सिंह द्वारा अभियुक्त प्रेम चन्द्र पुत्र छोटा नि0 महेवा थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी के कब्जे से 08 ली0 अवैध शराब बरामद होने पर गिरफ्तार किया गया । बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 33/23 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्ता का चालान माननीय न्यायालय किया गया

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम शुरू,छूटे हुए बच्चो को मापअप राउंड में खिलाएं दवा

कौशांबी जनपद में शुक्रवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक वर्ष से 19 वर्ष बच्चों व किशोर किशोरियों को पेट से कीड़े निकालने की दवा खिलाई गई। इस दिवस पर छूटे बच्चों को अब मापअप राउंड में खिलाई जाएगी। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सुष्पेंद्र कुमार ने दी कार्यक्रम का शुरुआत अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ब्लाक मंझनपुर के प्राथमिक विद्यालय बबुरा में फीता काटकर व बच्चों को एल्बेन्डाजोल खिलाकर औपचारिक उद्घाटन किया। यह दवा 1 वर्ष से 19 वर्ष उम्र तक के सभी बच्चे एवं किशोर किशोरियों को खानी है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामानुज ने बताया कि जिले में आठ लाख बच्चों और किशोरों को कृमि मुक्ति की दवा यानि पेट से कीड़े निकालने की दवा खिलाने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू हुआ है। इस अभियान के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों, प्राइवेट सरकारी स्कूलों, मदरसों पर दवा खिलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि किसी कारण आज जो बच्चे दवा नहीं खा पाए हैं उनको मॉपअप राउंड में खिलाई जाएगी। इस दिवस पर दवा सेवन से छूटे बच्चों एवं किशोर किशोरियों के लिए 13–15 फरवरी को मापअप राउन्ड आयोजित होगा। अभियान के दौरान कोविड–19 प्रोटोकाल का पालन करना आवश्यक है। नोडल अधिकारी डॉ हिमांशु भूषण ने बताया कि कुछ खाकर ही यह दवा खानी है। 3 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यह दवा पीसकर खिलानी है तथा 3 वर्ष से ऊपर के बच्चों को यह दवा चबाकर खानी है। उन्होंने प्रधानाध्यापक शिक्षक, आशा कार्यकर्ता तथा समस्त बच्चों से कहा कि सभी बच्चों को एल्बेन्डाजॉल की गोली खिलाई जाएगी इसके खाने से पेट के कीड़े से मुक्ति मिल जाती है जिससे बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार होता है साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है इससे एनीमिया में नियंत्रण तथा बच्चो के स्वास्थ्य में ठीक रहता हैं डी.सी.पी.एम संजय कुमार ने बताया कि बच्चे अक्सर कुछ भी उठाकर मुंह में डाल लेते हैं या फिर नंगे पांव ही संक्रमित स्थानों पर चले जाते हैं। इससे उनके पेट में कीड़े विकसित हो जाते हैं। इसलिए एल्बेन्डाजॉल खाने से यह कीड़े बाहर निकल जाते हैं। अगर यह कीड़े पेट में मौजूद हैं तो बच्चे के भोजन का पूरा पोषण कृमि खत्म कर जाते हैं। इससे बच्चा शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर होने लगता है। बच्चा एनीमिया समेत अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। कृमि से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए यह दवा एक बेहतर उपाय है।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

मंडल आयुक्त ने सभी सरकारी अस्पतालों के अधीक्षकों के साथ संयुक्त बैठक

शासन की मंशा के अनुरूप एवं मीडिया में छपी खबरों का संज्ञान लेते हुए मंडल आयुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने आज सभी सरकारी अस्पतालों के अधीक्षकों के साथ संयुक्त बैठक की तथा सभी को अपने–अपने अस्पतालों के चिकित्सकों से लिखित रूप में अंडरटेकिंग लेने के निर्देश दिए कि वह किसी भी निजी अस्पताल में अपनी सेवा प्रदान नहीं कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सभी पंजीकृत अस्पतालों के प्रबंधकों से संपर्क कर यह एफिडेविट लेने के भी निर्देश दिए हैं की उनके अस्पताल में कोई भी सरकारी चिकित्सक सेवा प्रदान नहीं कर रहे हैं। यदि निजी अस्पतालों द्वारा एफिडेविट देने के पश्चात भी सरकारी चिकित्सकों की सेवा ली जाती है तो उनका पंजीकरण निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। इस कार्य हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक फॉर्मेट तैयार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अप्राकृतिक सम्बन्ध बनाने वाले आभियुक्त को आजीवन कठोर कारावास की सजा दिलायी गयी

कौशाम्बी दिनांक 27.09.2022 को थाना कोखराज क्षेत्रान्तर्गत 07 वर्षीय बालक के साथ टॉफी का लालच देकर जंगल की तरफ लेजाकर अप्राकृतिक सम्बन्ध बनाने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 591/22 धारा 377 भादवि व 06 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया था । जिसमें दिनांक 07. 01.2022 को आरोप विरचित किया गया । यह पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी को आवंटित था । जिसके अभियुक्त मिथलेश उर्फ सुग्गा पुत्र अरविन्द सरोज नि0 बम्हरौली थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को आज दिनांक 10.02.2023 को मा0 न्यायालय स्पे0 जज पॉक्सो एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से आरोप विचरित से 01 माह 03 दिवस में आजीवन कठोर कारावास तथा 10,000 /– रूपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया

दुष्कर्म के 02 आभियुक्तों को 20–20 वर्ष कारावास की सजा दिलायी गयी

कौशाम्बी दिनांक 03.11.2017 को थाना सैनी क्षेत्रान्तर्गत नाबालिग के साथ दुष्कर्म के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 651/17 धारा 376डी/506 भादवि व 3/4 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया था । जिसके 02 अभियुक्तों 1. फाजिल पुत्र मुन्नू 2. शाहरूख पुत्र फकीरे नि0गण अझुआ थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को आज दिनांक 10.02.2023 को मा0 न्यायालय एडीजे –07 /स्पे0 जज पॉक्सो एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से 20–20 वर्ष कारावास तथा 31000 –31000 /– रूपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया । अर्थदण्ड न अदा करने पर 07–07 माह अतिरिक्त कारावास की सजा सुनायी गयी ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर–करेत्तर की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में कर–करेत्तर की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की प्रगति खराब पाये जाने पर एआईजी स्टाम्प से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने एवं उप निबंधक सदर प्रथम एवं उप निबंधक सदर द्वितीय का वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली की प्रगति कम पाये जाने पर आबकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए कहा है। विद्युत विभाग के राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर अधिशाषी अभियंता कल्याणी देवी एवं विद्युत वितरण करैलाबाग के अधिशाषी अभियंता से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को आमजन के साथ संवाद बनाये रखने एवं उनका फोन रिसीव कर उनकी समस्याओं को निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है। नगर निकाय के राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाये जाने पर अधिशाषी अभियंता कोरांव का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने ओवरलोडिंग पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर विभाग, आबकारी, विद्युत विभाग, परिवहन विभाग के अधिकारियों को प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाये जाने के साथ–साथ आरसी वसूली में भी प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। नगर पंचायत की समीक्षा करते हुए सभी अधिशाषी अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर वसूली का निर्देश दिया है। मण्डी समितियों के राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मण्डी सचिवों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत वसूली सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरोबाग

प्रयागराज में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक एवं प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ हेमलता पंत असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज ने कहा कि मशरूम उत्पादन कर अधिक आमदनी की जा सकती है तकनीकी सत्र में डॉ हेमलता पंत द्वारा धींगरी मशरूम मशरूम उत्पादन की चर्चा करते हुए कहा गया कि बेरोजगार युवाओं के लिए वर्तमान समय में रोजगार का अच्छा साधन मशरूम उत्पादन बन सकता है इसके अलावा डॉ अमित कुमार मौर्य असिस्टेंट प्रोफेसर पादप रोग विज्ञान विभाग घनश्याम उर्वशी डिग्री कॉलेज फूलपुर प्रयागराज ने ढींगरी मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन करके प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी दी गई औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरूबाग के प्रभारी वीके सिंह द्वारा विभाग की योजनाओं की चर्चा करते हुए बताया कि मशरूम उत्पादन इकाई लगाने के लिए प्रति यूनिट लगभग 20 लाख का प्रोजेक्ट होता है इस पर उद्यान विभाग 40: अनुदान धनराशि लगभग रू0 8 लाख देता है इसके अलावा डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक प्रसार निदेशालय नैनी प्रयागराज एवं डॉ दीपक लाल उद्यान वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय नैनी प्रयागराज द्वारा अपने विचार रखे गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयागराज फतेहपुर कौशांबी एवं प्रतापगढ़ के लगभग 55 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया

मण्डलीय तिलहन मेला, फलों की जैविक बागवानी व जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर विस्तृत चर्चा

अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्थान आलोपीबांग परिसर में शुक्रवार को 09 दिवसीय विराट किसान मेला 2023 के तृतीय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कीं अध्यक्षता डा0 आर0 के0 मौर्य, संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज द्वारा की गयी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 आलोक मिल्टन लाल, संयुक्त निदेशक, प्रसार शुआट्स नैनी, श्री विनोद कुमार, उप कृषि निदेशक प्रयागराज एवं डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, कृषि वैज्ञानिक शुआट्स नैनी, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, कृषि वैज्ञानिक शुआट्स नैनी, डा0 शिशिर कुमार द्विवेदी, डा0 डी0एस0 चौहान, अजय कुमार, कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 नैनी, उपस्थित रहे।

उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए दलहन एवं तिलहन के फायदे के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। दलहन की खेती करने से इनकी जड़ें बहुत गहराई से जाकर करके पोषक तत्वों एवं जल को ग्रहण करती हैं यह सबसे कम पानी वाली फसल होती है इनके जड़ों में राइजोबियम नाम का जीवाणु होता है जो वातावरण से नाईट्रोजन जमीन में स्थिर करता है, जिससे उर्वरकों की बचत होती है। दालों से तमाम प्रकार के इन्जाइम्स व अन्य प्रकार के पौष्टिक तत्व प्राप्त होते हैं जो स्वास्थ्यवर्द्धक है।

तकनीकी सत्र में डा0 शिशिर कुमार द्विवेदी, कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 नैनी प्रयागराज द्वारा तिलहन की खेती पर विस्तुत चर्चा करते हुए बताया गया कि तिलहनी फसलों में किसान भाई जिप्सम का प्रयोग कर तिलहन फसल में सल्फर की आवश्यकता की पूर्ति कर सकते हैं जिससे तेल की पर्याप्त मात्रा प्राप्त होगी। इस प्रकार रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता किसानों की कम होगी जिससे उत्पादन लागत भी कम होगी तथा अधिक मात्रा में तेल प्राप्त होने से आय में वृद्धि होगी। डा0 डी0एस0 चौहान, कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 नैनी प्रयागराज द्वारा दलहन महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि बुवाई से पूर्व बीज शोधन, भूमि शोधन करके समय से बुवाई करने से तमाम प्रकार के फॅफूदीजनक रोगों से बचाव होता है। दलहनी फसलों से मृदा उर्वरता में वृद्धि होती है। इस विधि से पैदावार में 15 से 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी होती है। किसानों को पंक्तिबद्ध बुवाई करने से फसलों के हवा से गिरने की सम्भावना कम हो जाती है और कृषक गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, कृषि वैज्ञानिक शुआट्स नैनी प्रयागराज द्वारा फलों की जैविक बागवानी की खेती पर विस्तुत चर्चा करते हुए समतल भूमि का चयन, उच्च क्वालिटी के प्रजातियों के पौधा चयन एवं पौध रोपण हेतु गड्ढ़ों की खुदाई करने के बारे में बताया गया। बागवानी हेतु गड्ढ़ों की खुदाई किसान भाई माह मई, जून के महीने में करें जिससे मृदा के हानिकारक कीट नष्ट हो सके। बागवानी में सहफसली खेती पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यदि पौध की पंक्तियों की दूरी 2 मीटर बढ़ा दी जाय तो बागवानी के साथ–साथ सब्जियों का उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है जिससे अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होगी। पौधों को कीट रोग से बचाने हेतु ट्राइकोडरमा, नीम की खली के प्रयोग के बारे में बताया गया।

श्री संजय अग्रवाल एम0डी0 द्वारा मेरा गांव ऐप की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस ऐप के माध्यम से कम समय में अधिक से अधिक कृषकों को सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा सकता है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह ऐप सहायक है। सशक्त स्त्री समूह ऐप महिलाओं के लिये बनाया गया है। इस ऐप पर यदि गांव की कोई महिला अपनी सूचना गांव की महिलाओं को देना चाहती है तो इस ऐप का प्रयोग करें इनकी सूचना सिर्फ महिलाओं को प्राप्त होगी। एफ0पी0ओ0 के लिये ऐप की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गयीं।

कृषक श्री चन्द्र प्रकाश कुशवाहा द्वारा वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कर खेती के साथ–साथ आय में वृद्धि के तरीके के अनुभव को साझा करते हुए किसानों को बताया गया कि वर्मी कम्पोस्ट बनाने में घर के अपशिष्ट पदार्थ (वेस्ट मेटेरियल) का प्रयोग किया जाता है जिससे अपशिष्ट पदार्थों का निदान भी हो जाता है और वर्मी कम्पोस्ट के रूप में हमें खाद भी प्राप्त होता है जिससे हमारे भूमि की उर्वरा शक्ति में भी वृद्धि होती है तथा इसका विक्रय कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती हैं।

श्री सुभाष मौर्य, जिला कृषि अधिकारी, प्रयागराज द्वारा श्री अन्न मोटे अनाज की खेती एवं इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि कृषक भाई मोटे अनाज की खेती अवश्य करें, क्योकि मोटे अनाज में प्रचुर मात्रा में नोड्यूल्स पाये जाते हैं जो स्वाथ्यवर्द्धक है। मोटे अनाज की फसल उगाने में कम पानी एवं उर्वरकों का प्रयोग कम होता है जिससे उत्पादन लागत कम आती है। मोटे अनाज का बाजार भाव अच्छा है इस प्रकार कम लागत में अच्छा मूल्य प्राप्त कर किसान अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं।

डा0 अजय कुमार कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र नैनी द्वारा कृषकों को उत्पादन लागत कम करने हेतु प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर दिया गया। आज रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण जमीन की उर्वरा शक्ति निरन्तर घट रही है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिये जैविक खेती को करना चाहिए। एक गांय के गोबर से 30 एकड़ खेत के लिये देशी खाद तैयार कर सकते हैं। बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत के प्रयोग से सूक्ष्म जीवों की संख्या आसानी से बढ़ाया जा सकता है। गौमूत्र, गुड़, गोबर, बेसन, पीपल व बरगद के बृक्ष के नीचे की मिट्टी लेकर जैविक खाद बनायी जा सकती है।

संयुक्त कृषि निदेशक प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज के द्वारा कृषकों को उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी देते हुए बताया गया कि विभाग की तत्परता की वजह से समय से कृषकों को उर्वरक उपलब्ध होता रहा है तथा कृषकों से आह्वान किया गया कि जनपद के समस्त विकासखण्डों से अधिक से अधिक कृषक इस मेले में प्रतिभाग करें जिससे कृषकों के कृषि के तकनीकी ज्ञान में वृद्धि हो सके।

आज के कार्यक्रम में कृषि से संबंधित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा कृषकों की जानकारी के लिये 60 स्टाल लगाये गये तथा लगभग 1500 कृषकों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।

जिला कृषि अधिकारी, प्रयागराज द्वारा संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज की अनुमति से कृषकों, अधिकारियों एवं मीडिया सेल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गयी।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

झूठ बोलकर सत्ता में बैठे लोगों को 2024 में उखाड़ फेंकेगी देश की जनता – शिवपाल यादव

फूलपुर प्रयागराज समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री व जसवंत नगर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक शिवपाल सिंह यादव प्रसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दीना नाथ यादव की पुत्री की शादी समारोह फूलपुर के बीरकाजी गांव आगमन पर सपा के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष नसीर उद्दीन राईन ने तलवार भेंट कर जोरदार स्वागत किया इस मौके पर शिवपाल यादव ने तलवार लहराते हुए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि गरीबों, किसानों, नौजवानों, छात्रों, व्यापारियों, पिछड़ों, दलितों, को झूठ बोलकर धोखा देकर सत्ता में बैठे लोगों को उखाड़ फेंकने की जिम्मेदारी आप सपाईयों की है अब समय दूर नहीं इसका जवाब 2024 लोकसभा चुनाव में देने के लिए तैयार रहें देश की जनता परिवर्तन चाहती है आप सभी कार्यकर्ताओं से अपील है नेता जी मुलायम सिंह यादव हमेशा भय भूख भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा लड़ते रहे हम आप उनके पदचिन्हों पर चलकर हर साम्प्रदायिकता और जुल्म के खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष योगेश यादव,एम एल सी डा मान सिंह यादव, पूर्व मंत्री लल्लन राय, विधायक विजमा यादव, गीता पासी, हाकिम लाल विन्द, पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी, सैयद इफ्तेखार हुसैन, कृष्ण मूर्ति यादव, बासुदेव यादव, संतोष आर्मी, जिला उपाध्यक्ष नसीर उद्दीन राईन,वेला यादव, कुमार मंगल, मो इरफान, वाजिद तुफानी, सौरभ यादव, मुराद मंसूरी, विरेन्द्र यादव, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दिवंगत सपा नेत्री सबीहा मोहानी के आवास पर शोक प्रकट करने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिव पाल यादव

अपने निजी कार्यक्रम से समय निकाल कर शिवपाल यादव ने करैली स्थित सबीहा मोहानी के आवास पहोंच कर परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा सबीहा जी ने अपना पूरा जीवन समाजवादी पार्टी को समर्पित कर दिया था वह एक जुझारु राष्ट्रीय नेता थीं समाजवादी पार्टी उनके परिवार के साथ पहले भी थी और अब भी जो भी जरुरत पड़ेगी वह उनके परिवार के साथ करेंगी।निर्वतमान महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन निर्वतमान महानगर महासचिव रवीन्द्र यादव रवि,वरिष्ठ सपा नेता लल्लन राय ,मोहम्मद हसीब ,मोहम्मद सऊद सहित बड़ी संख्या मे सपा नेता साथ रहे।

तब्लीगी मजलिस में कुरआन और हदीस की रौशनी में दिया जा रहा इन्सानियत का दर्स

प्रयागराज –दरियाबाद के कोठी आगा अली खां (महमूद मंजिल) में अन्जुमन हाशिमिया अमजदया की ओर से मरहूम मौलाना सैय्यद अमजद हुसैन की याद में छाछठवें दौर की तब्लीगी मजलिस में प्रथम दिन पहली मजलिस मौलाना जरगाम हैदर दूसरी मजलिस मौलाना आबिद रिजवी व तीसरी मजलिस को मौलाना व इमाम ए जुमा कौशाम्बी सैय्यद जमीर हैदर रिजवी साहब किब्ला ने खिताब किया।वहीं ओलमा ए कराम ने कुरआन और हदीस की रौशनी में एक शौहर के अपनी बीवी एक बीवी के अपने शौहर और एक बेटे और बेटी को उसके माँ और बाप के प्रति कैसा किरदार निभाना चाहिते और क्या हुकूक्ह है इसका दर्स दिया।पैगम्बर रसूल ,इमाम अली ,जनाबे फात्मा व अहलेबैत ए अतहार की गुजारी गई जिन्दगी से दर्स लेकर अपने नफ्स और इमान को पाक और शफ़ाफ बना कर रखना चाहिये।ताकि जब इस दुनिया से जाएं तो कब्र में मुनकरनकीर सवाल करें तो हम अपने किरदार और अमल की बुनियाद पर खरे उत्तर सकें।उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार तब्लीगी मजलिस के दूसरे दिन सुबहा की मजलिस को मौलाना इरफान हैदर रिजवी ,शाम की मजलिस को फजल मुमताज खां साहब जौनपुर और रात की आखरी मजलिस को शेख मेंहदी हसन वायज अम्बेडकरनगर जलालपुर ने खेताब करते हुए जहां स्व मौलाना अमजद हुसैन साहब किब्ला की जिंदगी पर तफसीली रौशनी डाली वहीं करबला के शहीदों का मार्मिक अन्दाज में जिक्र किया।मजलिस में आगा सरदार अली खां,मंजर अली खां,मशहद अली खां,नासिर अब्बास शहवेज ,हुसैन खां ,जौरेजघ हैदर सहित बड़ी संख्या में अकधीदतमन्दों ने शिरकत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पांचवें नम्बर की अर्थव्यवस्था बना–विजय शंकर शुक्ला

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी नारीबारी मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल की अध्यक्षता में नारीबारी मंडल कार्यसमिति की बैठक एवं डाटा प्रबंधन एवं उपयोगिता की कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को बाबा बैजनाथ सावित्री देवी धर्मशाला मे आयोजित किया गया। सर्व प्रथम पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर वन्देमातरम गायन से शुभारंभ किया गया। अतिथियों के स्वागत के साथ मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल ने कार्यसमिति में प्रस्तावना रख सरकार एवं संगठनात्मक कार्यो का उल्लेख करते हुए विषय को रखा। मुख्य अतिथि जिला महामंत्री विजय शंकर शुक्ला ने बजट एवं जी20 सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को रखते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पांचवें नम्बर की अर्थव्यवस्था के साथ विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने डाटा प्रबंधन एवं उपयोगिता कार्यशाला मे कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देते हुए सरल एप्प पर डाटा प्रबंधन के लाभ और उपयोगिता पर प्रशिक्षित करते हुए कार्यकर्ताओं को 7820078200 डायल कराके डिजिटल रूप से आनलाइन कराते हुए कहा मोदी–योगी जनविश्वास पर खरा उतरते हुए भाजपा को पूरी तरह डिजिटल करने का भी कीर्तिमान स्थापित कर दिया।अब सभी डाटा एवं सूचनाएं व कार्यक्रम आनलाईन दिखेगें। जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा सुभाष सिंह पटेल, पूर्व जिला महामंत्री कुलदीप पाठक,पूर्व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा रत्नाकर सिंह पटेल, पिछड़ा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुधाकर सिंह आदि ने भी बैठक मे विचार व्यक्त किया। अंत मे मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल ने सभी कार्यकर्ताओ अतिथियो का आभार व्यक्त करते हुए कहा मै राष्ट्र के लिए कार्य कर रहा हूं, और आगे भी करता रहूंगा। सभी कार्यकर्ता मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले। संचालन मंडल महामंत्री पंकज कुमार पाण्डेय और मंडल महामंत्री ऋषि मोदनवाल ने किया। इस अवसर पर रमेश पाण्डेय, बसंत लाल गुप्ता,दिवाकर त्रिपाठी,कातेश्वर नाथ ठाकुर,गिरीश कुमार चतुर्वेदी,विजय बहादुर सिंह,नीरज मिश्रा,त्रिजेष पांडेय,अक्षय विश्वकर्मा,लोकनाथ पांडेय,अनिल चतुर्वेदी आदि के साथ मंडल पदाधिकारी,मंडल कार्यसमिति सदस्य, शक्ति केन्द्र संयोजक,बूथ अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

पचखरा में खोली गई प्रबुद्ध पाठशाला की शाखा

प्रयागराज बारा 10 फरवरी, प्रबुद्ध फाउंडेशन के द्वारा बहुजन समाज के पांच से पन्द्रह आयु वर्ग के बच्चों के सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के साथ उनके शैक्षणिक विकास के लिये यमुनापार की बहुजन बाहुल्य बस्तियों में खोली जा रही प्रबुद्ध पाठशाला के क्रम में शुक्रवार को यमुनापार की तहसील बारा के थाना घूरपुर के अंतर्गत आने वाली ग्रामसभा पचखरा में प्रबुद्ध पाठशाला की शाखा प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधक / सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज द्वारा खोली गयी। यह पाठशाला प्रत्येक रविवार को दोपहर 12:00 से अपराह 4:00 बजे तक पचखरा की ही उच्च शिक्षा प्राप्त राधना तथा अविनाश गौतम द्वारा संचालित की जाएगी। पाठशाला द्वारा प्राथमिक से लेकर मैट्रिक तक के बच्चों के गणित, अंग्रेजी व विज्ञान विषय के साथ उनके सामाजिक, सांस्कृतिक व सर्वांगीण विकास किया जाएगा। प्रबुद्ध फाउंडेशन के सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने पाठशाला के बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु चलाई जा रही इस मुहिम के लिये बच्चों की सफलता व उच्चतम शिखर पर पहुंचाने के लिये बच्चों का अपने परिवार का, अपने गांव का अपना व अपने परिवार, जिले तथा देश का नाम रोशन करने के साथ बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामनाये दी।

इस प्रबुद्ध पाठशाला की ओपनिंग के समय फूलचंद्र, रामनरेश, अविनाश, नीरज, सूरजपाल गौतम, लल्लू राम, सुरेश कुमार, शिवशंकर, रमेश, कड़ेदीन, रन्नो, गीता, आरती, सरिता, आराधना, कलावती, आरती, रानी देवी, प्रभावती, अंजना देवी के साथ सैकड़ों बच्चे उपस्थित रहे।

कृषि जगत के लिए बहु उपयोगी है अमृत काल का प्रथम बजट (गणेश केसरवानी)

10 फरवरी प्रयागराज, भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा अमृत काल के प्रथम बजट पर केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए बजट में कृषि के क्षेत्र में बजट की उपयोगिता को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में किया गया प्रेस को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि अमृत काल का प्रथम बजट कृषि जगत के लिए बहुत ही उपयोगी है उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि के अनुरूप बजट में कृषि को आधुनिकता से जोड़ने पर जोर दिया है ताकि देश के किसानों को इसका दीर्घकाल तक व्यापक लाभ मिले इस संबंध में टेक्नोलॉजी द्वारा कृषि को बढ़ावा देने के संबंध में करीब 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय को 1.25 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है! मोदी सरकार द्वारा डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन प्रारंभ किया गया है जिसे बढ़ावा देने के उद्देश्य गत वर्ष की छ70 करोड़ को बढ़ाकर अब छ450 करोड़ का प्रावधान किया गया एवं कृषि के डिजिटल जन अवसंरचना को एग्री टेक उद्योग एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सहयोग प्रदान करने तथा किसान केंद्रित समाधान के उद्देश्य तैयार किया जाएगा ! और 2516 करोड़ रुपए के निवेश से 63 हजार प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटी का कंप्यूटरीकरण शुरू किया जाएगा और प्राकृतिक खेतों को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रधानमंत्री जी ने पहल की है जिसे बढ़ावा देने के लिए अब की बार 459 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है सरकार अगले 3 वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी उनकी सहायता करेगी इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर वितरित सूक्ष्म उर्वरक व कीटनाशक विनिर्माण नेटवर्क तैयार करते हुए 10, हजार बायो इनपुट रिसोर्ट केंद्र स्थापित किए जाएंगे और देश में 86ः छोटे किसान हैं जिन्हें किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से काफी लाभ पहुंचा है हमारे इन छोटे किसान भाई बहनों को इसी तरह सतत लाभ मिलता रहे इसके लिए इस बार 23 हजार करोड रुपए का प्रावधान किया गया है जो गत वर्ष 22 हजार करोड़ था! और पशुपालन डेयरी ,मत्स्य पालन पर ध्यान देते हुए कृषि ऋण लक्ष्य बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपए किया गया ! पीएम मत्स्य संपदा योजना की नई योजना 6 हजार करोड़ रुपए से लक्षित निवेश के साथ शुरू की जाएगी ताकि मछली पालक, मत्स्य विक्रेता, सूक्ष्म लघु उद्योग अधिक सक्षम बनें और इसके इससे मूल्य श्रृंखला दक्षता में सुधार लाकर बाजार तक पहुंच बढ़ाएंगे और छोटे मझोले किसानों को थ्थ्ब के जरिए संगठित करते हुए उन्हें खेती किसानी के संबंधित सभी सुविधाएं मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए 10 हजार नए थ्थ्ब बनाए जा रहे हैं यह एफपीओ छोटे मझोले किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है जिसका लाभ इन किसानों को मिलने लगा है आगे भी यही गतिशीलता बनी रहे इसके लिए नए के गठन के संबंध में 955 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान इस साल किया गया है

इस अवसर पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए किसान मोर्चा के जिला जिला प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि बजट में कृषि के क्षेत्र में उपयोगिता को लेकर दिनांक 11 फरवरी को दोपहर 12रू00 बजे किसान पंचायत बजट का वृहद सेमिनार फतेहपुर घाट पुरामुफ्ती में आयोजित किया जाएगा जिससे किसान भाइयों को सरकार के द्वारा बजट में कृषि के क्षेत्र में किए गए उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके

प्रेस वार्ता का संचालन मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने किया इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल ,जिला प्रभारी सौरभ पांडे ,जिला उपाध्यक्ष अंजनी सिंह, जिला महामंत्री शनी सिंह एवं सम्मानित पत्रकार बंधु उपस्थित रहे

निकाय चुनाव में लोग अपनाएंगे केजरीवाल मॉडल-सर्वेश यादव

आम आदमी पार्टी (उत्तर) प्रयागराज संगठन विस्तार के क्रम में जिलाध्यक्ष सर्वेश यादव (उत्तर) प्रयागराज ने संगठन का विस्तार किया जिसमें मोहम्मद अफजाल अंसारी को आप (उत्तर) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष, विजय कुमार यादव को विधानसभा हंडिया अध्यक्ष, अल्ताफ आलम को नगर पंचायत अध्यक्ष फूलपुर और तहसील हडिया बार के महामंत्री लल्लन प्रसाद यादव को नगर पंचायत अध्यक्ष हंडिया नियुक्त किया गया। वहीं महिला जिला अध्यक्ष पल्लवी मालवीया महिला जिला कमेटी का विस्तार करते हुए गीता देवी को महिला जिला उपाध्यक्ष कुमारी सलोनी को महिला जिला सचिव नियुक्त किया। जिला अध्यक्ष सर्वेश यादव ने बताया सभी साथियों पर पार्टी ने भरोसा जताते हुए जिम्मेदारी दी है पूरा विश्वास है यह सभी साथी केजरीवाल की नीतियों को घर–घर गांव–गांव तक ले जाने में कामयाब होंगे और एक मजबूत संगठन का निर्माण करेंगे। श्री यादव कहा इस बार उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में तानाशाह नीतियों को जनता उखाड़ फेंकने की और केजरीवाल के शिक्षा स्वास्थ मॉडल को उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में स्थापित करेंगी।

परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने एवं शांति-व्यवस्था बनाये रखने हेतु सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की लगायी गयी ड्यूटी

मा0 लोकसेवा आयोग के सदस्य डॉ0 रामजी मौर्य एवं श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में शुक्रवार को संगम सभागार में उ0प्र0 न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन(प्रा0)) परीक्षा–2022 दिनांक 12 फरवरी, 2023 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में बैठक की। जनपद के 33 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया गया है। परीक्षा को निर्धारित प्रक्रियानुसार, सकुशल, निर्विघ्न, शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने एवं शांति–व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों को 11 सेक्टर में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के लिए स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगायी गयी है। जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों की जांच कर उसको क्रियाशील रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस के अधिकारियों की तैनाती के साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थायें रखने के लिए कहा है।

भाजपा सरकार किसानों की दिशा और दशा बदलने का कार्य कर रही है-डॉ.अर्चना शुक्ला

प्रयागराज। अमृत काल बजट षकिसान संगोष्ठीष का आयोजन भाजपा किसान मोर्चा यमुनापार जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अध्यक्षता में संगम बाटिका बलापुर में शुक्रवार को आयोजित हुआ। जिसमें प्रभारी वतौर मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र की मंत्री डॉ.अर्चना शुक्ला ने भाग लेते हुए कहा भाजपा की सरकार निरंतर किसानों के हितों मे निर्णय लेकर इतिहास रच रही है। भाजपा सरकार किसानों की दिशा और दशा बदलने का कार्य कर रही है। वही मुख्य वक्ता पूर्व विधायक प्रभा शंकर पाण्डेय ने कहा मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण के लिए अनेकों बजट में प्रावधान किए गए गौ आधारित खेती,मोटे अनाज के साथ छोटे कृषकों और कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेकानेक निर्णय के साथ बजट को पास किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रधानमंत्री की पहल की तारीफ करते हुए अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि सभी अतिथियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बजट पर अपने विचार व्यक्त कर मोदी और योगी सरकार के कार्यों की प्रशंसा किया। पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने भी विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पृथ्वीपाल सिंह, संजीव जायसवाल, आदेश सिंह, सुधीर साहू बबल, अरविंद शुक्ला,मुकेश पांडेय, सेवालाल पटेल, दिनेश तिवारी, बृजेश मिश्रा, गिरीश कुमार चतुर्वेदी, अभिषेक मौर्य, नीरज द्विवेदी, राजू पटेल, हृदयेश मिश्रा, अशोक सिंह आदि के साथ कार्यकर्ता पदाधिकारी व क्षेत्रीय किसान भारी संख्या में उपस्थित रहे।

बैंक कर्मी करता है ग्राहकों को अपमानित, दी तहरीर

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थित यूको बैंक की मुख्य शाखा में कार्यरत एक कर्मी पर ग्राहकों को अपमानित करने का आरोप लगाया गया है। इस बावत ग्राहक ने नामजद तहरीर थाने में दी है। पुलिस तहरीर लेकर जांच की बात कह रही है। जानकारी के अनुसार तिलक नगर, अल्लापुर निवासी अंशुमन कुमार द्विवेदी ने सिविल लाइंस थाने में नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि वह अपने बेटे की पासबुक में इन्ट्री करवाने के लिए यूको बैंक की सिविल लाइन्स स्थित मुख्य शाखा में गया था, वहाँ पर कार्य करवाने के दौरान बगल की सीट पर बैठे बैंक के कर्मचारी संजय अग्रवाल ने मुझसे कहा कि आप अपने बच्चे का कार्य करवा रहे हैं या किसी और के बच्चे का। उक्त कर्मचारी के ये शब्द मुझे अति अपमानजनक लगे, और मुझे अत्यन्त पीड़ा हुई कि बिना सोचे समझे कोई कर्मचारी किसी भी आगन्तुक के बारे में ऐसी टिप्पणी कैसे कर सकते है, संजय अग्रवाल के शब्द अत्यन्त अशोभनीय है, जिससे मे गहरा आघात लगा है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच कर कार्यवाही की बात की। दूसरी ओर ग्राहक ने बैंक के उच्चाधिकारियों से भी शिकायत की है।

ज्वाला देवी सिविल लाइन्स के भैया बहिनों ने नाट्य माध्यम से प्रस्तुत किया 500 वर्षो का स्वर्णिम इतिहास

रज्जू भैया शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वाला देवी स0वि0म0इ0का0 सिविल लाइन्स प्रयागराज के मीडिया प्रभारी श्री सरोज दुबे जी की विज्ञप्ति के अनुसार आज दिनांक 10.02.2023 को ज्वाला देवी सिविल लाइन्स के भैया बहिनों ने चन्द्रशेखर आजाद पार्क में उनकी प्रतिमा के समक्ष भारत के 500 वर्षो के स्वर्णिम इतिहास को 35 मिनट के लघु नाट्य मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिसमें भैया–बहनों ने अपनी नाट्य कला प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये ऐसी प्रस्तुति की जिसमें भारतीय स्वतंत्रता के पहलुओं– ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना, आजाद हिन्द फौज का गठन, जलियावाला बाग कांड, दाण्डी यात्रा, भारत छोड़ो आन्दोलन, 1857 की क्रांति जैसे आदि विषयों का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम की तैयारी पिछले पाँच दिनों से आंध्र प्रदेश से आये हुये स्वतन्त्र भारतीय श्री रमेश जी एवं श्रीमती रामावाणी जी के मार्गदर्शन में ज्वाला देवी सिविल लाइन्स के विशाल सभागार में चल रहीं थी। श्रीमान् रमेश जी ने मंचन के बाद भैया–बहनों को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमारे वीर शहीदों ने भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतन्त्र कराने का कार्य किया है।

प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में आयोजित ''उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआईएस) 2023 कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया सजीव प्रसारण

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के तारतम्य में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में ''जिला स्तरीय निवेश कुंभ'' का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के 25 करोड से कम के लगभग 140 निवेशक, जनपद के लब्ध प्रतिष्ठित उद्यमी, जनपद के समस्त औद्योगिक संगठनों के अध्यक्षध्सचिवध्प्रतिनिधि तथा विश्वविद्यालयों के स्नातकध परास्नातक अन्तिम वर्ष के 20 छात्रध्छात्राओं सहित लगभग 200 की संख्या में लोग उपस्थित रहे। जनपद में कुल रू0 53021.30 करोड का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ जिससे 66000 से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होने की सम्भावना है। कार्यक्रम के दौरान श्री हैदर रजा, सहायक प्रबन्धक द्वारा उद्यम सारथी ऐप एवं निवेश सारथी एवं निवेश मित्र (सिंगल विण्डो पोर्टल) वेबसाइट पर प्रस्तुतीकरणध्जानकारी प्रदान की गयी। निवेश मित्र से सम्बन्धित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष से उद्यमियों का परिचय कराया गया। प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में आयोजित ''उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआईएस) 2023'' उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया, जिसका सजीव प्रसारण संगम सभागार में किया गया। माननीय विधायक श्री वाचस्पति, श्री गुरु प्रसाद मौर्या, श्री प्रवीण पटेल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी उद्यमियोंध्निवेशकों को उनके स्तर से जो भी सहयोग अपेक्षित हो उसे दिये जाने हेतु आश्वस्त किया गया। मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत द्वारा जनपद में प्राप्त निवेश के प्रस्तावों पर उद्यमियों का आभार प्रकट करते हुये आश्वस्त किया गया कि जनपद स्तर पर निस्तारण योग्य समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से किया जायेगा तथा जो समस्याये शासन स्तर की होगी उसे शासन स्तर से निस्तारित कराये जाने का भरोसा दिलाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्राप्त सभी इण्टेण्ट को धरातल पर लाये जाने हेतु उद्यमियों की अपेक्षानुसार हर सम्भव सहायता, सुविधा, सहयोग प्रदान किया जायेगा। औद्योगिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाने वाले उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुये जिलाधिकारी ने उन्हे पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डी0सी0पी0 सिटी श्री संतोष कुमार, जिला विकास अधिकारी, पी0डी0 डी0आर0डी0ए0 तथा प्रमुख उद्यमी श्री विनय टण्डन, श्री राजीव नैयर, श्री जी0एस0 दरबारी, श्री आशीष केसरवानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री लालजीत सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग द्वारा किया गया।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

51 मिनट बनाम 88 मिनट

बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पक्ष–विपक्ष की चर्चा सारे विश्व की हेडलाइंस बनी बजट सत्र में लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर माननीय पीएम के जवाब ने विश्व सहित 140 करोड़ भारतीयों का ध्यान आकर्षित किया – एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत की हर गतिविधियों पर दुनिया उत्सुकता से नजर गड़ाई हुई है कि, इसका परिणाम क्या होगा, आज क्या होगा, हमारा उसमें कौनसा हित होगा, आज भारत क्या करेगा? जैसे अनेक सवाल छिपे होते हैं। हो भी क्यों ना? क्योंकि भारतीय आज ऐसी मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है कि बस! अब विश्वगुरु का औपचारिक मुकुट भर पहनना है, क्योंकि आज छोटे से लेकर बड़े देशों के सत्ताधारी से लेकर विपक्षी नेताओं का भारत के साथ बॉडीलैंग्वेज एसी होती है, मानों भारतीय नेता से मिलने के लिए उतावले हो! वैसे आज 8 फरवरी 2022 को देखें तो हमारे पीएम ने इजरायल के समकक्ष पदआसीन नेता से अनेक मुद्दों पर फोन से चर्चा की, वही भीषण भूकंप का दंश झेल रहे देशों तुर्कीया, सीरिया को 30 बेड वाला हॉस्पिटल सहित अनेकों आपातकालीन सहायताएं कैंप भेजकर मदद करने के जुटा हुआ है। वही आज बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पक्ष विपक्ष की चर्चा का जवाब माननीय पीएम ने दिया करीब पूरे विश्व ने लगभग देखा, जिसमें विपक्ष के नेता ने करीब 51 मिनट के अपने सवाली संबोधन पर माननीय पीएम ने अपने करीब 88 मिनट के जवाब में 2014 से किए गए अपने कार्यों का सिलसिलेवार जवाब सहित 51 मिनट में उठाए गए मुद्दों का पॉइंट टू पॉइंट जवाब दिया जिसपर भारत सहित पूरे दुनिया की नजरें लगी हुई थी। इसलिए आज हम पीआईबी में आई जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि 51 मिनट बनाम 88 मिनट,बजट सत्र में राष्ट्रपति केअभिभाषण पर पक्ष विपक्ष की चर्चाएं चर्चा सारे विश्व की हेडलाइंस बनी। साथियों बात अगर हम 51 मिनट के विपक्षी युवा नेता द्वारा खड़े किए गए सवालों की करें तो, बीते दिन पीएम और केंद्र सरकार पर कई सवाल खड़े किए थे। उन्होंने आरोप लगाए कि उद्योगपति को भारत में और विदेशों में काम के कॉन्ट्रैक्ट इसलिए मिल जाते हैं, क्योंकि वो पीएम के करीबी हैं। उन्होंने पीएम के विदेशी दौरों पर सवाल दागा था कि पीएम के विदेश दौरे में वो कितनी बार साथ गए? उन्होंने पूछा कि आपके कितने दौरों के दौरान वे गए? आपके कितने दौरे के बाद वे उस देश के दौरे पर गए और कितने देशों में आपके दौरे के बाद उनको को कॉन्ट्रैक्ट मिले? उन्होंने 51 मिनट में 45 मिनट सिर्फ उद्योगपति और उद्योगपति से जुड़े विवादों के बारे में बात की। उन्होंने ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर दिए अपने भाषण को उद्योगपति और पीएम तक सीमित कर दिया और इस दौरान वो अपने साथ एक तस्वीर भी लाए थे, जिसमें उद्योगपति और पीएम एक साथ दिख रहे हैं। बता दें कि मंगलवार को उन्होंने अपने भाषण के दौरान करीब 60 बार उस उद्योगपति का नाम लिया था।इसके अलावा मंगलवार को प्रमुख विपक्षी पार्टी नेता ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र किया था। बता दें कि उन्होंने तमिलनाडु से लेकर कश्मीर के श्रीनगर तक भारत जोड़ो यात्रा की थी।अपनी यात्रा के समापन पर उन्होंने ने श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया था, उन्होंने प्रमुख सवाल पूछे थे (1) उद्योगपति जी आपके साथ कितनी बार विदेश गए? (2)आपके विदेश जाने के बाद वे कितनी बार उस देश गए? (3) जिस देश में उनको कॉन्ट्रैक्ट मिला,वहां आप कब गए?(4) आपके विदेश दौरे के बाद उस देश में उनको कब कॉन्ट्रैक्ट मिला?(5) उद्योगपति जी ने पिछले 20 साल में आपकी पार्टी को कितना पैसा दिया? पीएम के भाषण के बाद उन्होंने कहा– पीएम ने मेरे एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उनके बयान से समझ आ गया है कि वे उनको बचा रहे हैं। इसके पीछे कई सारे कारण हैं। मैं संतुष्ट नहीं हूं, लेकिन इससे सच्चाई उजागर हो रही है। उन्होंने ट्वीट भी किया– न जांच कराएंगे, न जवाब देंगे–प्रधानमंत्री जी बस अपने 'मित्र' का साथ देंगे। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा अपने 88 मिनट के जवाबी संबोधन की करें तो उन्होंने शुरुआत की,मैं चर्चा में शामिल सभी माननीय सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन मैं देख रहा था कल कुछ लोगों के भाषण के बाद पूरा इकोसिस्टम, समर्थक उछल रहा था और कुछ लोग तो खुश होकर के कह रहे थे, ये हुई न बात। बड़ा शायद नींद भी अच्छी आई होगी, शायद आज उठ भी नहीं पाए होंगे। और ऐसे लोगों के लिए कहा गया है, बहुत अच्छे ढंग से कहा गया है। अपने 88 मिनट के भाषण में उन्होंने उनपर पूछे किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। पीएम की पूरी स्पीच में उद्योगपति का जिक्र तक नहीं था। हालांकि पीएम विपक्ष की एकता से लेकर राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज जरूर कसते रहे। मैं चर्चा में शामिल सभी माननीय सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन मैं देख रहा था कल कुछ लोगों के भाषण के बाद पूरा इको सिस्टम, समर्थक उछल रहा था और कुछ लोग तो खुश होकर के कह रहे थे, ये हुई न बात बड़े, शायद नींद भी अच्छी आई होगी, शायद आज उठ भी नहीं पाए होंगे। और ऐसे लोगों के लिए कहा गया है, बहुत अच्छे ढंग से कहा गया है। जब राष्ट्रपति जी के भाषण पर चर्चा मैं सुन रहा था, तो मुझे लगा कि बहुत सी बातों को मौन रहकर भी स्वीकार किया गया है। यानी एक प्रकार से सबके भाषण मैं सुनता था, तब लगा कि राष्ट्रपति जी के भाषण के प्रति किसी को एतराज नहीं है, किसी ने उसकी आलोचना नहीं की। भाषण की हर बात, अब देखिए क्या कहा है राष्ट्रपति जी ने मैं उन्हीं के शब्द को क्वोट करता हूं। राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में कहा था, जो भारत कभी अपनी अधिकांश समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों पर निर्भर था, वही आज दुनिया की समस्याओं के समाधान का माध्यम बन रहा है। राष्ट्रपति जी ने यह भी कहा था, जिन मूल सुविधाओं के लिए देश की एक बड़ी आबादी ने दशकों तक इंतजार किया, वे इन वर्षों में उसे मिली है। बड़े–बड़े घोटालों, सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार की जिन समस्याओं से देश मुक्ति चाहता था, वह मुक्ति अब देश को मिल रही है। पॉलिसी–पैरालिसिस की चर्चा से बाहर आकर आज देश और देश की पहचान, तेज विकास और दूरगामी दृष्टि से लिए गए फैसलों के लिए हो रही है। किसी भी भारतीय को ऐसी अनेक बातें मैं गिना सकता हूँ। राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में कई बातें कहीं हैं। देश में हर स्तरपर, हर क्षेत्र में, हर सोच में, आशा ही आशा नजर आ रही है। एक विश्वास से भरा हुआ देश है। सपने और संकल्प लेकर के चलने वाला देश है। लेकिन यहाँ कुछ लोग ऐसे निराशा में डूबे हैं, काका हाथरसी ने एक बड़ी मजेदार बात कही थी। काका हाथरसी ने कहा था–श्आगा–पीछा देखकर क्यों होते गमगीन, जिसकी जिसकी भावना वैसा दीखे सीनश। मैं कई बार सुन रहा हूँ, यहां कुछ लोगों को हार्वर्ड स्टडी में का बड़ा क्रेज है। कोरोना काल में ऐसा ही कहा गया था और कांग्रेस ने कहा था कि भारत की बर्बादी पर हार्वर्ड में केस स्टडी होगी, ऐसा कहा था।

आलेख सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों की बढ़ती उदासीनता, सरकारी स्कूल के लिए चिंता का विषय

प्रतिस्पर्धा की दौड़ में सभी अपनी लाइन बड़ी करने में लगे हुए है स और इस दौड़ में शिक्षा की बात करें तो ये लाइन बड़ी से और बड़ी करने में सरकारी स्कूल की तुलना में निजी स्कूल कहीं आगे है स हर साल निजी स्कूलों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, और सरकारी स्कूल विलुप्ति की कतर में खड़े है स निजी स्कूल की ओर अभिभावकों का बढता झुकाव निरंतर बढता जा रहा है स निजी स्कूल का झुकाव कहा जाये तो गाँव की अपेक्षा शहरो में अधिक फल फूल रहा है, सबसे ज्यादा रूचि अधिक पढ़े–लिखे एवं रईस लोगो में देखने को मिलती है स समाज का एक ऐसा तबका भी है इनके लिए सरकारी स्कूल में बच्चा को पढ़ाना जैसे उनके लिए शर्म की बात हो, और सरकारी स्कूल में पढ़ना यानि बच्चे का भविष्य अंधकार में डालने जैसा है स सरकारी स्कूल गरीबी, आभावग्रस्त की निशानी के रूप में देखा जा रहा है स सब निजी स्कूल में पढ़कर सरकारी नौकरी की तलास में रहते है स यानि पढ़ाई के लिए निजी स्कूल और रोजगार के लिए सरकारी विभाग स बड़ी अजीब प्रवर्ती है भैया जी! निजी तो निजी है, सब निजी होना चाहिए स परन्तु नहीं! सरकारी नौकरी भी चाहिए सभी को स निजी स्कूल की बिल्डिंग को और ऊँचा करने में हम पीछे नहीं हैय "बड़े एवं नामदार स्कूलों में अपने बच्चों को दाखिला करने के लिए बड़ी लाइन में खडा है हमारा समाज" स सरकारी स्कूल तो सरकार के भरोसे! सरकारी स्कूल की छत से पानी रिस रहा है तो इसकी जबाबदेही सरकार की ही रहती है, समाज को इससे क्या सरोकार? सरकार जाने, सरकार आये इसको ठीक करने ! यही मानसिकता ने सरकारी सुविधायें को और गर्त में डाल रखा है स

समाज के अच्छे नागरिक होने के नाते हमारा कर्तव्य भी है सरकार को मदद करने काय जब कही हम समाज के अच्छे नागरिक कहलाने के योग्य होंगे स मेरे पड़ोस के एक सज्जन से बात हुईय हमने उनसे पूछा भैया बच्चे का स्कूल में दाखिला करवा लिए ? उन्होंने अपना हिसाब सुनना शुरू कर दियाय एक नामी स्कूल में दाखिला करवाया है, पचास हजार डोनेशन दिए है स्कूल कोय तब जाकर हुआ है स्कूल में दाखिला स बड़ा आश्चर्य की बात है वर्तमान की युवा कार्यरत पीढ़ी में अधिकतर ने सरकारी स्कूल में पढ़ाई किये है और अधिक से अधिक मात्रा में सरकारी और निजी नौकरी में है, उनका पहली से लगाकर पढ़ाई पूरी होते तक 50 हजार का खर्चा नहीं आया होगास और अब के बच्चे का नर्सरी में दाखिला हमारी पूरी पढ़ाई से भी बहुत ज्यादा है स अब हम इतनी रकम के बदले पढ़ाई के बात करे तो नर्सरी के बच्चे को अक्षर ज्ञान और कुछ मौखिक पोएम से ज्यादा क्या सिखाया जा सकता है! इतने में ही हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहता और हम हजारो की रकम इस खुशी के लिए दे देते है! वैसे बात करें तो इतनी मोटी रकम देकर निजी स्कूल में पढ़ाई करना आज की जरुरत एवं मजबूरी बनती जा रही है स इसका एक सटीक कारणों में सरकारी स्कूल की पढ़ाई के प्रति उदासीनता एवं बच्चों को ठीक से न पढ़ा पाने में विफलता है स आखिर सरकारी स्कूलों का अभिभावकों में रुची क्यों नहीं है ? यह खाई बढ़ते ही जा रही है

सरकार को इसका कारण खोजकर सरकारी स्कूलों की छबी को सुधारने का प्रयास करना चाहिए स आखिर क्या कमी है, कहाँ क्या चूक हो रही है, इसका सही तरीके से फीडबैक लेकर उपचारात्मक कार्य करने की ओर ध्यान देने की नितांत आवश्कता है स सरकार का राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण रिपोर्ट में भी बताया गया है कि पढ़ाई का स्तर हमारे देश में बहुत संतोषजनक नहीं है, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट 2022 के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कक्षा तीसरी के 20.5 फीसदी बच्चे ही कक्षा दूसरी स्तर का पाठ पढ़ पा रहे है, वही कक्षा पाँचवी के 42.8 फीसदी बच्चे दूसरी स्तर का पाठ सकते हैस इससे ऊपर की बात करे जहाँ सरकार के द्वारा कक्षा आठ के बाद उसे प्राथमिक शिक्षा पूरा करने का प्रमाण पत्र थमा दिया जाता है इस कक्षा में केवल 73 फीसदी बच्चे को ही कक्षा दूसरी स्तर का पाठ पढ़ना आता है स 27 फीसदी बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा तो क्या काला अक्षर भैस बराबर नजर आता होगा स मेरी साझ में ये नहीं आ रहा है कि ये 27 फीसदी बच्चे कक्षा आठ तक बिना पढ़े पहुंचे कैसे?

यदि इनको पढ़ना नहीं आ रहा है तो लिखना एवं समझ की कल्पना करना भी कठिन है स क्या शिक्षा के नाम पर इस नौनिहालों को ठगा जा रहा है! क्या यही है शिक्षा का अधिकार कानून! बच्चों को केवल एक कक्षा से दूसरी कक्षा में ढ़केल दिया जायेय उनको पढ़ना आये या न आये स मेरी नजर में ऐसी शिक्षा का कोई मतलब नहीं है जो सर्टिफिकेट में पढ़े लिखे होने का दावा करे परन्तु वास्तव में अनपढ़ के सामान है

आखिर सरकार के द्वारा दी जाने वाली सुविधायें अभिभावको को रास क्यों नहीं आ रही इसकी समीक्षा करना चाहिए, और समीक्षा के आधार पर उचित कदम उठाना चाहिए स स्कूल में सरकार द्वारा प्रदान सभी सुविधायें बच्चों की पढ़ाई को उत्कृष्ट बनाने के लिए की जाती है परन्तु स्कूल का ध्यान स्कूल की सुविधायें जैसे स्कूल भवन, खेल मैदान, शौचालय, पेय जल, मध्यान्ह भोजन, शाला गणवेश, पाठ्य पुस्तक, छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण आदि सब प्रदान करने का कार्य बड़ी तल्लीनता से किया जा रहा है लेकिन ये सब जिसके लिए किया जा रहा है बस वही एक महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो पा रहा और वह है बच्चों को उसकी कक्षावार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स बच्चे बिना सीखे ही एक कक्षा से उच्च कक्षा में बढ़ते चले जा रहे है स यह भविष्य में एक बहुत बड़े खतरे के रूप में उभरकर सामने आने वाली समस्या हैय इसको समय रहते नहीं संभाला गया तो ये आगे अपने विकराल रूप में सामने आएगी और इसका समाधान करने में बहुत देर हो जाएगी इन सबका कारणों को पता लगाना एवं इस पर उच्च तंत्र से लेकर जमीनी स्तर तक पूर्ण निष्ठा एवं इमानदारी के कार्य करना होगा स इसके लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी से कार्य करने की आवश्यकता है स इसकी शुरुआत आंगनवाडी से लेकर प्राथमिक शिक्षा तक बच्चों की बुनियादी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देना होगा स बच्चों की शुरूआती बुनियाद यदि मजबूत होगी तो बच्चा आगे की कक्षा के लिए तैयार हो सकेगा स असर 2022 रिपोर्ट के अनुसार कक्षा पाँचवी के आधे से अधिक बच्चों को भाग का सवाल करने में असक्षम है स ये बच्चे प्राथमिक से माध्यमिक कक्षा में जायेंगे तो भाग से कंही ज्यादा कठिनाई स्तर की पढ़ाई से गुजरना पड़ेगा, ये बच्चे कैसे इन कक्षाओं में टिक पाएंगे ये बहुत बड़ा सोचने का विषय है स पाँचवी के ये आधे बच्चे अपनी मुख्य धरा से पिछड़ जायेंगे और अपना पूर्ण विकास नहीं कर पाएंगे स इन बच्चों के बारे में सोचने की आवश्यकता है कि इनका क्या होगा? इन बच्चों को कैसे मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कैसे और किस स्तर पर प्रयास करना होगा स बच्चों को उनकी ग्रेड के अनुसार लर्निंग करना एक बड़ी चौनौती हो सकती है परन्तु सरकार का उचित निति निर्धारण, शिक्षकों का साथ–साथ अभिभावकों का भी इसमें सहयोग हो तो सरकारी स्कूल को फिर से उत्कृष्ट बनाने में देर नहीं लगेगी स फिर से सरकारी स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मिशल बनेगे और पुनः अभिभावकों की पहली पसंद बनेगे

उम्रकैद

सादर समीक्षार्थ
कैदी नम्बर 774 !
अब तुम आज से आजाद हो ,
लो ये कपड़े बदलकर कार्यालय में चलो ।
कोठरी की सांकल खुलने की आवाज के साथ रचना हवलदार की कड़कदार आती आवाज की ओर देखने लगी ।

श्आज तुम्हारी रिहाई का दिन आ गया है । स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में सरकार ने तुम्हारे सुंदर विनयशील आचरण को देखकर तुम्हारी उम्रकैद की सजा समाप्त करने का आदेश दिया है । ष्
हवलदार ने कोठरी का दरवाजा खोलकर रचना को बाहर निकलने का आदेश सुनाया ।
रचना ने धारीदार जेल की पोशाक छोड कर रंगीन साडी पहन ली । और बाहर खडे हवलदार के साथ जेल के कार्यालय की ओर चल पड़ी ।
चलते–चलते स्मृतियों की सरिता में गोते लगाने लगी कितना प्यारा घर संसार था मेरे सपनों का नन्हा–सा आशियाना ।
दो कमरों के शानदार फ्लैट में हंसमुख पति और दोनों बच्चों के साथ बेहद सुखी थी वह । बेशुमार खुशियों की दौलत बरसती थी ।
न जाने मेरे घर को किसकी बुरी नजर लगी कि अचानक रात में विनय के सीने में तेज दर्द होने लगा ।
जब तक पडोसी रमाकांत के साथ अस्पताल लेकर पहुँची तब तक सब कुछ समाप्त हो गया था ।

पैंतीस साल की आयु में मेरी गृहस्थी की नाव मंझधार में डूबने लगी । मै बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए विद्यालय में शिक्षिका की नौकरी करने लगी ।
किंतु बच्चें अपने पिता के बेहद करीब थे । वो उन्हें भुला नहीं पा रहे थे । उन दोनों को छुपकर आँसू बहाते देख मेरा दिल किरचियों बनकर टूट जाता, मैं असहाय सी अपनी किस्मत पर अश्क बहाने के सिवाय और क्या कर सकती थी ।
गुमसुम दोनों अपने बच्चों को देखकर मन ही मन गम से तडपने लगी थी ।
मैं उन्हें खुश रखने की भरपूर कोशिश करती थी । किन्तु उनके मन से अपने पापा के दूर चले जाने की कमी को पूरा नहीं कर सकी थी ।
जीवन की पटरी हिचकोले खाती फिर से पुराने ढर्रे पर चल पडी थी ।

यदा–कदा रमाकांत जी का बढता सहानुभूतिपूर्ण रवैया मेरे भीतर कहीं उनके सदाशयता पर प्रश्नचिह्न लगाता? तब उन्हें परखने की कोशिश में बच्चों के साथ उनका घुलना मिलना वक्त की जरूरत के हिसाब से बहुत स्वाभाविक लगता था ।
खुशी से खिलखिलाते बच्चों के चेहरे मेरी आशंका को निर्मूल सिद्ध कर देते।
एक दिन पडोसी रमाकांत जी ने ही विवाह का प्रस्ताव रखा और मुझे समझाया कि इतनी लम्बी उमर अकेले काटना सम्भव नहीं है ।
श्देखो रचना !
श्तुम बहुत समझदार हो । इसलिए कह रहा हूँ कि तुम मुझे गलत मत समझना। ष
श मैं तुम्हारे बच्चों के जीवन में आने वाली पिता की कमी को दूर करने का प्रयास कर रहा हूँ ।ष
ष दोनों बच्चों की ओर देखो जरा, पिता के प्यार की छाँव बिना बडे होते बच्चों का सम्पूर्ण जीवन बिखर जाता है ।
उन दोनों के चेहरे हमेशा मुरझाए रहते हैं यह बात मुझे बहुत विचलित करती है ।ष

श्जी मैं समझ सकती हूँ ।ष
श्अगर आप नहीं होते तो मेरे लिए दोनों बच्चों को सम्भालना नामुमकिन था ।
आप मुझे सोचने के लिए कुछ समय दीजिए ।ष मैने सहमति जताते हुए जबाब दिया था । और रमाकांत जी के अहसान को मानते हुए बच्चों की रजामंदी के बाद कोर्ट में जाकर शादी कर ली ।

अब हमारी जिंदगी पहले से बहुत खुशगवार होने लगी थी ।
हम सभी बाहर घूमने जाते होटल खाना खाने चले जाते कभी–कभार सिनेमा आदि भी ।मुझे रमाकांत जी के चरित्र में कभी कोई खोट नजर नहीं आया था । एक दिन तबियत खराब होने के कारण मैं विद्यालय से छुट्टी लेकर जल्दी घर चली आई ।

दरवाजे की दूसरी चाबी से ताला खोलकर अन्दर पहुँची तो मुझे कमरे में से बेटी नीतू के चीखने–चिल्लाने की आवाज आई ।मैने दरवाजा खोल कर भीतर देखा तो रमाकांत का कुत्सित घिनौना रुप मेरे सामने नजर आया ।मेरा सिर चकराने लगा । आँखों में खून का लावा खौलने लगा
मेरी मासूम नीतू खुद को बचाने के लिये चिल्ला रही थी और रमाकांत के सिर पर हवस का शैतानी भूत सवार था । उस समय रमाकांत मुझे इंसानी शक्ल में भेड़िया नजर आ रहा था ।
नाली का बजबजाता कोई नीच कीडा जिसे मेरी अपनी गलती से मेरे मन्दिर जैसे घर में रहने की इजाजत मिल गयी थी । मैने आव देखा न ताव बाल्कनी में रखी लोहे की रॉड उठाकर उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार पे वार करती चली गई।
रमाकांत के सिर से खून का फव्वारा बह निकला ।वह वही फर्श पर ढेर हो गया । बिना किसी लाग लपेट के मैने पुलिस को फोन कर के आत्म समर्पण कर दिया । केस की सुनवाई होने पर मेरे मुंह से खुद जुर्म स्वीकार करने से बडा सुबूत और क्या हो सकता था ?
सुबूत के आधार पर मुझे हत्या करने के जुर्म में उम्रकैद की सजा सुनाई गई ।
अदालत के आदेश पर मेरे दोनों बच्चों को मेरे मम्मी पापा के सुपुर्द कर दिया गया। इस समय मेरे मन में बहुत बड़ी तसल्ली इस बात की रही कि मैने ऐसे धोखेबाज सौतेले पिता का खात्मा किया है । रिश्तों की मर्यादा तार तार करने वाले बदनीयत इंसान को उसके किये की सजा अवश्य ही मिलनी चाहिए ।
श्हां! और एक खरी सच्ची बात समझी कि सौतेला पिता कभी बच्चों का सगा पिता नहीं बन सकता।ष
मुझे उम्रकैद की सजा का कोई भी गम नहीं हुआ । अब बरामदा पार करने पर सामने ही कार्यालय का दरवाजा नजर आने लगा था

वायुमंडल की शुद्धता में यज्ञ एक वैज्ञानिक विधि डीजीपी।

कुरूक्षेत्र, 9 फरवरी हरियाणा पुलिस महानिदेशक एंव हरियाणा पुलिस हाउसिंग के प्रबंध निदेशक आर. सी. मिश्रा ने कहा है कि यज्ञ एक वैज्ञानिक विधि है। यज्ञ के द्वारा सैंकड़ों बिमारियों को मिटाया जा सकताा है वे बृहस्पतिवार को धर्मक्षेत्र–कुरूक्षेत्र के ब्रहमसरोवर पर महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वितीय जन्मोत्सव शुभारम्भ समारोह के नौवें दिन चतुर्वेद पारायण यज्ञ में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर उपस्थित यज्ञ श्रृदालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कुरूक्षेत्र के लोगों का सौभागय है कि आर्य समाज हरियाणा द्वारा स्वामी सम्पूर्णानन्द की अध्यक्षता में धर्मक्षेत्र–कुरूक्षेत्र के ब्रहमसरोवर पर चारों वेदों का यज्ञ पिछले नौ दिनों से सुर्योदय से लेकर सुर्यास्त तक चल रहा है। उन्होंने कहा कि पूरी दूनिया को करोना ने हिला दिया, लेकिन जिन घरों में नियमित यज्ञ होते हैं, उन घरों में करोना दस्तक न दे सका। इससे बड़ा यज्ञ के लाभ का ओर क्या प्रमाण होगा। आर.सी.मिश्रा ने कहा कि यज्ञ करने से वातावरण की शुद्वि होती है व वायुमण्डल में आक्सीजन की मात्रा बड़ती है। जिससे मानव जीवन ही नहीं बल्कि सभी जीवों का स्वास्थ्य अच्छा बनता है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आर्य कन्या कालेज अम्बाला की प्रिंसीपल अनुपमा ने समारोह में भाग लेकर कहा कि महिला को वेद पढने का अधिकार, जनेउ ध ाारण करने का अधिकार, जाति–पाति का भेद मिटाने का काम, महिला को शिक्षा दिलाने का काम, गाय को माता का दर्जा देकर उसके सम्मान का काम यदि किसी महापुरूष ने किया तो महर्षि दयानन्द ने किया। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्र के पितामाह थे। जिन्होंने हर वर्ग, हर जाति समूह को समानता से तोला। यदि हम उनके दिखाए रास्ते पर चले व उनके चिंतन को ग्रहण करें तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश विश्व गुरू बन जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता लुधि ायाना के सुरेश मुंजाल ने की व महर्षि दयानन्द सरस्वती को युगप्रवर्तक बताया। कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश महामंत्री पवन सैनी ने शामिल होकर चतुर्वेद पारायण यज्ञ में आहुति डाली।इस अवसर पर पूरे कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी सम्पूर्णानन्द सरस्वती ने सभी को आशीर्वाद दिया व इस आयोजन को महर्षि दयानन्द महाकुम्भ बताया ओर कहा कि देश ही नही विदेश से लोग कुरूक्षेत्र पहुंच कर महर्षि दयानन्द सरस्वती के चिंतन, उनके कार्यों को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार अब तक 25 राज्यों से लोग कुरूक्षेत्र पहुंच कर इस यज्ञ में शामिल हो चुके हैं।इस दौरान मंच का संचालन मातृभूमि सेवा मिशन के अध्यक्ष श्रीप्रकाश मिश्र ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर गुरूकूल कालवा, जस्टिस प्रीतमपाल द्वारा संचालित आर्ष गुरूकूल लाड़वा, मातृभूमि शिक्षा मंदिर के बच्चों ने, नालन्दा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने समारोह में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया। इस अवसर पर डा.प्रीतम सिंह, जयदेव आर्य, उतरप्रदेश के बिजनौर आर्य समाज, कानपूर आर्य समाज, बिहार के छपरा आर्य समाज, पटना आर्य समाज , रोहतक के बोहर आर्य समाज, सिरसा के बालसमन्द आर्य समाज , दिल्ली आर्य समाज सहित देश भर से आर्य लोगों ने कुरूक्षेत्र समारोह में भाग लिया।इस अवसर पर आयोजन समिति के कार्यक्रम अध्यक्ष स्वामी सम्पूर्णानन्द सरस्वती, गुरूकूल कालवा के आचार्य राजेन्द्र , श्री प्रकाश मिश्र, आर्य रामपाल कूंडू, आर्य दिलबाग लाठर द्वारा समारोह में शामिल अतिथियों को वैद्विक पटटिका व महर्षि दयानन्द सरस्वती के चित्र से सम्मानित किया।हरियाणा पुलिस महानिदेशक आर.सी.मिश्रा को महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंति समारोह में सम्मानित करते आयोजक।

पीड़ित ने आईजीआरएस पर दर्ज कराई गई शिकायत पर जांच अधिकारी द्वारा फर्जी आख्या लगाने का लगाया आरोप

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) । बारिश के दौरान मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रमगढाध गांव में गिरी दिवाल को लेकर पड़ोसी से हुई तकरार में मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस द्वारा एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए जेल भेजने से आहत पीड़ित द्वारा आईजीआरएस पर दर्ज कराने पर जांच अधिकारी पर फर्जी आख्या लगाने का आरोप लगाते हुए इस प्रकरण की जांच कराने की मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है । इस सम्बन्ध में मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रमगढाध गांव निवासी सुनील कुमार मौर्य पुत्र बंशीलाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित प्रार्थना पत्र में बताया है कि भारी बारिश के दौरान उसका कच्चा माकान गिर गया। जिसकी चपेट में आने से पड़ोसी संतोष कुमार पुत्र राम सुमेर का दालान भी क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसे लेकर संतोष कुमार द्वारा मुआवजे की मांग की जाने लगी। सुनील कुमार मौर्य ने बताया कि लेखपाल द्वारा सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया गया कि सुनील कुमार मौर्य पुत्र बंशीलाल का माकान एवं संतोष कुमार पुत्र राम सुमेर का दलान बारिश के कारण कच्चा माकान गिर गया । सम्बन्धित लेखपाल एवं भू राजस्व निरीक्षक द्वारा क्षतिग्रस्त माकान एवं दलान की अनुमानित लागत का आकलन कर अपनी रिपोर्ट भेज दिया गया। सुनील कुमार ने बताया कि इसके बावजूद मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस संतोष कुमार से प्रभावित होकर मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस द्वारा उसकी छवि को धूमिल करने हेतु संतोष कुमार की तहरीर के आधार पर धारा 427 के तहत एनसीआर दर्ज कर गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया। सुनील कुमार ने बताया है कि उपनिरीक्षक पन्ने लाल एवं कांस्टेबल बृज बिहारी द्वारा उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है । पीड़ित ने बताया कि इस मामले को लेकर उसने जब मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र संख्या 12194220222346 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई तो जांच अधिकारी ने मनगढ़ंत तरीके से प्रार्थी को ही दिवाल गिराने का दोषी करार दिया गया । जबकि विपक्षी संतोष कुमार की तहरीर पर दर्ज एनसीआर संख्या 0131ध 2022 में तथा लेखपाल की आख्या में दालान गिरने का कारण बारिश बताया गया है । बताते चलें कि जौनपुर जिले के बख्सा थाना पुलिस द्वारा एक आरोपी को बचाने के चक्कर में फर्जी आख्या लगाने को लेकर न्यायालय द्वारा कड़ा रुख अख्तियार कर जहां विवेचना अधिकारी के विरुद्ध जांच कराने हेतु मा० न्यायालय द्वारा पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया गया है वहीं मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस द्वारा आईजीआरएस पर दर्ज कराई गई शिकायत पर फर्जी आख्या प्रस्तुत करने का मामला सुर्खियों में आने लगा है। पीड़ित सुनील कुमार मौर्य ने बताया कि यदि उसके प्रार्थना पत्र पर कोई सुनवाई नहीं हुई तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगा।

डॉ चंचल की नमस्ते सर लधु कथा छाई विश्व पटल पर अद्भुत अविरल

मध्य प्रदेश के साहित्य साधक डॉ राम शंकर चंचल की ताजा लध

कथा, नमस्ते सर को एक ही दिन में सेकड़ो द्वारा बेहद बेहद सुन कर सराही गई है

आज पूरे विश्व स्तर पर डॉ चंचल की लधु कथाएँ हजारों में सुनी जा रही है जो सचमुच देश के लिए बेहद गर्व की बात है कि एक आदिवासी पिछड़े अञ्चल के साहित्य साधक ने अपनी रचनाएँ अपने ही स्वर में विगत दो सालो से प्रस्तुति देते हुए पूरे विश्व स्तर पर श्रोता तेयार किये जो हिंदी में उनकी लधु कथाओं और कविता को सुन कर बेहद बेहद सराहना कर रहे है

जो न केवल झाबुआ जिले के लिए बहुत गर्व का विषय बल्कि पूरे भारत के लिए सचमुच गर्व का विषय है कि

प्रतिदिन सेकडों द्वारा उनकी रचनाएँ

तीन वर्ष से लगातार सुनी जा रही हैं इस अल्प समय में डॉ चन्चल ने पूरे विश्व स्तर पर जो अद्भुत अविरल पहचान बनाई है वन्दनीय है झाबुआ जिले और खास कर मध्य प्रदेश के लिए जहाँ के एक साहित्य धनी जी

पिछड़े अञ्चल झाबुआ में जन्में है आज अपनी अद्भुत निष्ठा , श्रम और

लगन और परिश्रम से देश को हिन्दी भाषा में और साहित्य में अद्भुत अद्वितीय योगदान दे रहे है जो सभी साहित्य धनी के लिए भी प्रेरणा देने वाला एक सार्थक प्रयास है कि आज

उम्र के ६५ साल में भी कमाल की परिश्रम और लगन और निष्ठा लिए

डॉ चंचल साहित्य की उम्दा अद्भुत सेवा करने मे लगे हुए हैं जो चोकने वाला तो है ही वहीं प्रेरणास्रोत भी

आनेवाली पीढ़ियों के लिए भी एक

सीख है कि इंसान में आस्था और विश्वास के साथ परिश्रम की लगन है तो कभी भी कुछ भी किया जा सकता हैं जो न केवल उसके जीवन को मुल्यवान बनाता है बल्कि पूरे देश और समाज के लिए भी वन्दनीय कार्य हो जाता हैं आज लधु कथा और नई कविता में पूरे देश और विश्व में सुना जा रहा एक अद्भुत अविरल नाम है डॉ

राम शंकर चंचल इस बात से नकारा नहीं जा सकता हैं

लापरवाह बने जिम्मेदार अधिकारी, फसलों की सुरक्षा हेतु सारी रात किसान कर रहे चौकीदारी –

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर)द्य प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के शासन मे जीवन दान पाने वाले गौ वंश अन्नदाता किसानो की फसलों पर आक्रमण कर उसे चौपट कर रहे हैं जबकि जिम्मेदार अधि ाकारी पूरी तरह लापरवाह बने हुए हैं। जिसके कारण अपनी फसलों के साथ ही अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए किसानों को ठंड की रात में टार्च लेकर चौकीदारी करनी पड़ रही है । उनकी थोड़ी सी लापरवाही फसलों के साथ उनके भविष्य को रौंदने में आवारा पशु टूट पड़ते हैं । प्रदेश सरकार के निर्देश पर स्थापित किए गए गौशालाओं में अधिकांशतः गौशाला केवल फाइलों में संचालित किए जा रहे हैं तथा शासन पशुओं के चारा पानी के लिए मिलने वाले अनुदान राशि को स्वयं डकार रहे हैं । जिसके कारण किसानों को अपने फसलों को आवारा पशुओं से बचाने के लिए सारी रात जागरण करना पड़ रहा है । किसानो के थोड़ी सी लापरवाही बरतने पर उनकी फसलों पर झुण्ड के झुण्ड मे चलने वाले आवारा पशु आक्रमण बोल कर चट कर जाते है । मुंगराबादशाहपुर विकास खण्ड के धौरहरा ग्राम निवासी रमा कान्त तिवारी , पूर्व ग्राम प्रधान संतोष कुमार सिंह ,राजेन्द्र सिंह उर्फ डीसी , सुरेन्द्र पटेल ,राम सूरत पटेल आदि ने बताया कि योगी सरकार के निर्देश के बाद भी आवारा पशुओं के रहने खाने की कोई मुकम्मल ब्यवस्था फाइलों में भले ही की गई हो लेकिन धरातल पर नही की जा सकी जिससे ये आवारा पशु किसानो की खड़ी फसलो के लिए अभिशाप बन हुए है द्य होलपुर निवासी किसान भोला शंकर तिवारी का कहना है कि अभी तक घड़रोजों (नीलगायों) एवं जंगली सूअरो के फसलो पर किए जा रहे आक्रमण से किसान जूझ रहा था कि अब आवारा पशुओं के आतंक से भी उन्हे जूझना पड़ रहा है द्य बहोरिकपुर गांव निवासी किसान सुरेन्द्र तिवारी का मानना है कि योगी सरकार द्वारा गो वंश बध पर प्रतिबन्ध लगाए जाने तथा इसे कड़ाई के साथ लागू किए जाने के कारण गो वंश को जीवन दान तो मिल गया लेकिन इनके रख रखाव की व्यवस्था धरातल पर नही किए जाने से ये आवारा गौ वंश किसानो के लिए अभिशाप बने हुए है । ग्रामीणों किसानों ने जिलाधिकारी एवं प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कर आवारा पशुओं से उनकी फसलों की सुरक्षा हेतु ठोस कारगर उपाय किए जाने की मांग की है।

श्री राम कथा के आठवें दिन श्रीराम केवट संवाद सुनकर श्रोता हुए भाव विभोर

श्री राम सत्संग समिति द्वारा दहिसर में आयोजित 10 वीं संगीतमय श्री राम कथा के आठवें दिन श्री राम और केवट संवाद प्रसंग छाया रहा। भगवान श्री राम के वनवास से जुड़े अद्भुत प्रसंग के वर्णन से सभी उपस्थित श्रोता भाव विभोर हो गए। श्रीराम और केवट से जुड़े प्रसंग का संगीत मय चित्रण कथा वाचक प्रख्यात मानस मर्मज्ञ और प्रकांड विद्वान पंडित श्री सुधीर जी महाराज ने बड़े ही सुन्दर दोहों और चौपाइयों के साथ किया। आज की कथा में दहिसर की विधायक मनीषा ताई चौधरी, ,संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मदेव तिवारी, महाराष्ट्र भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य श्रीकांत पाण्डेय, प्रसिद्ध व्यवसायी और समाजसेवी हरिशंकर तिवारी, जयप्रकाश ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा, कनु भाई मेवाड़ा, पूर्व नगरसेवक जितेंद्र पटेल, कमला राजपुरोहित, सुभाष पांडे, पंडित कमलाशंकर मिश्रा, सच्चिदानंद तिवारी, बी.एम. गुप्ता, अमित हरिशंकर तिवारी, कमलाकांत त्रिपाठी, ज्ञानचंद्र शुक्ला, हेमंत पांडे, अशोक मिश्रा,रामबली त्रिपाठी, ज्ञानचंद्र शुक्ला, प्रेमशीला दूबे, माधवी त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, जनार्दन दूबे, ऋषि मेवाड़ा, राधेश्याम मिश्रा, रामनायक पांडे, संदीप मिश्रा, रीता पटेल , बीना शर्मा, मीना पटेल, ओमप्रकाश शुक्ला, राजकुमार यादव तथा मुकेश मिश्रा सहित श्री राम सत्संग समिति के सभी पदाधिकारी एवम् सदस्य उपस्थित थे। इस भव्य और दिव्य आयोजन का उत्कृ ष्ट संचालन राजीव मिश्रा ने किया।बता दें कि आज 9 फरवरी 2023 तक चलनेवाली यह श्रीराम कथा जीएसबी ग्राउंड, एन एल कॉम्प्लेक्स, दहिसर पूर्व में आयोजित की गई है। 9 फरवरी को महा प्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया गया है।

कबीर कोहिनूर प्रथम श्रेणी सम्मान से वीना आडवाणी तन्वी हुई सम्मानित

महाराष्ट्र , नागपुर की वरिष्ठ साहित्यकारा वीना आडवाणी तन्वी का चयन कबीर कोहिनूर प्रथम श्रेणी सम्मान के लिए हुआ । यह सम्मान लेखक अभिषेक कुमार जी द्वारा कबीर जी के ऊपर लिखी हिन्दी भाषी पुस्तक आधुनिक भारत निर्माण में कबीर जी का योगदान के सिन्धी अनुवाद के लिए वीना जी को दिल्ली में डॉ अम्बेडकर सभागृह में दिया गया । इस पुस्तक को 27 भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है । यह कार्यक्रम राजस्थान की बड़ी खाटू दरबार , कबीर पंथ के अनुयायियों द्वारा 5 फरवरी 2023 को दिल्ली में बाबा अंबेडकर सेंटर जनपद रोड में संत नानक दास जी कि अगुवाई में सफलता पूर्ण संपन्न हुआ जिसमें बहुत से संत , महात्मा , कबीर जी के पंथी अपनों वाणी वचनों से सभी का मार्गदर्शन दिया । 27 अनुवादकों के अलावा दूसरे क्षेत्रों में सम्मानित सेवा करने वालों को दूसरी श्रेणी से कबीर सम्मान से सम्मानित किया गया । सम्मान समारोह के अंतर्गत कुछ साहित्यकारों को डाक्ट्रेट की भी उपाधी प्राप्त हुई । कार्यक्रम में सम्मिलित अतिथियों में पद्मश्री से सम्मानित संत , जैन धर्म अनुयायी संत , विदेशों से आए भारतीय मूल निवासी अतिथि और बहुत से वरिष्ठ सम्मानित साहित्यकारों ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए । कार्यक्रम के अंतर्गत जलपान की व्यवस्था भी की गई । कार्यक्रम के अंतर्गत तीन पुस्तकों का भी विमोचन हुआ।

आंगनबाड़ी और संकुल प्रभारियों की आयोजित हुई कार्यशाला

छात्र और अभिभावक हुए सम्मानित

रुद्रपुर। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को हमारा आंगन–हमारे बच्चे अभियान की जागरूकता को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें आंगनबाड़ी कघर्यकत्रियों और संकुल प्रभारियों को प्री– प्राइमरी एजुकेशन को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सीडीपीओ और बीईओ ने दीप प्रज्जवलन कर किया।सीडीपीओ दयाराम ने कहा कि हमारा आंगन हमारे बच्चे अभियान को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान से प्री प्राइमरी एजुकेशन को बढावा मिल रहा है। यह अभियान प्री प्राइमरी की पढ़ाई के लिये वरदान साबित होगा। बाल वाटिका एक ऐसा कार्यक्रम है। जिसमें प्राइमरी क्लास से पहले बच्चों को एक साल तक प्रारंभिक मस्तिष्क तथा बाल विकास की नींव रखने का कार्य किया जाता है। बीईओ जया राय ने कहा कि प्री प्राइमरी से लेकर कक्षा तीन तक के बच्चों को जोड़ने के लिये हमारा आंगन, हमारे बच्चे अभियान चलाया जा रहा है। बाल वाटिका अभियान का प्रमुख कार्य बच्चों को प्राइमरी क्लास से पहले उनके प्रारंभिक वर्षों में उचित देखभाल और मस्तिष्क की उत्तेजना बढ़ाने में मदद करना है। अभियान के तहत तीन से 6 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाडी केंद्र में और उससे अधिक आयु के बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित करवाने के लिये अभिभावकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र मे बेहतर कार्य करने वाले शिक्षक, बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेंजने वाले अभिभावकों, नियमित आंगनबाडी केंद्र, स्कूल जाने वाले बच्चों को सम्मानित किय गया। कार्यशाला को एआरपी सत्यवान यादव, धर्मवीर मौर्या, प्रवीण यादव, विजय बहादुर यादव, साघवित्री सुभा, दुर्गेश्वर मिश्र ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश सिंह, ब्रजेश राव, विनय तिवारी, मुन्ना लाल, प्रमोद सिंह, शिवानंद तिवारी, सदानंद चौरसिया, देवेंद्र प्रताप यादव, इकबाल अहमद, ईश्वर वर्मा आदि मौजूद रहे।

मनीष विश्वकर्मा बने राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो के तहसील अध्यक्ष

प्रयागराज। युवा समाजसेवी मनीष विश्वकर्मा को राष्ट्रीय मानवाधि ाकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो ने उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जनपद अंतर्गत तहसील करछना का तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया है।

उपरोक्त आशय की जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध यक्षध्चेयरमैन आर के पाण्डेय एडवोकेट (हाई कोर्ट इलाहाबाद) ने बताया कि प्रयागराज महानगर के एडीए कालोनी, नैनी निवासी मनीष विश्वकर्मा समाजसेवा को समर्पित मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं जिनके सेवा, समर्पण, सहयोग की भावना के चलते उन्हें तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

एक विशेष उद्योग बन्धु का आयोजन 12 फरवरी

कौशाम्बी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष उद्योग बन्धु का आयोजन दिनॉक 12 फरवरी 2023 को सायं 04 बजे उदयन सभागार में किया गया गया है। यह जानकारी उपायुक्त उद्योग ने देते हुए सम्बन्धित अधिकारियों एवं उद्यमी/व्यापारी बन्धुओं से समय से बैठक में प्रतिभाग करने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 11 फरवरी को

कौशाम्बी उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में दीवानी न्यायालय, कौशाम्बी में दिनांक 11 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेंगा। यह जानकारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना, बैंक वसूली, विद्युत के मामले, श्रम सम्बन्धी, लेवर सम्बन्धी, जमीन सम्बन्धी, चालानी व अन्य प्रकार से सम्बन्धित शमनीय वादों का निस्तारण किया जायेंगा।

लखनऊ में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का किया गया सजीव प्रसारण, जनपद कौशाम्बी में 91 निवेशकों द्वारा रू0-1167.66 करोड़ निवेश के प्रस्ताव हुए प्राप्त,19 हजार 107 रोजगार होगा सृजित

कौशाम्बी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज लखनऊ में 10 फरवरी से 12 फरवरी 2023 तक आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का उद्घाटन किया गया, इसका सजीव प्रसारण उदयन सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय निवेश कुम्भ कार्यक्रम में किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित निवेशको, छात्र-छात्राओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मा0 प्रधानमंत्री जी, मा0 मुख्यमंत्री जी, मा0 रक्षा मंत्री एवं निवेशकों के उद्बोधन को सुना। जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने जनपद कौशाम्बी में निवेश करने वाले निवेशकों-श्री शिवम केसरवानी, श्री विपिन केसरवारनी, श्री अरविन्द केसरवानी, श्री प्रवेश केसरवानी, श्री दीपक सिंह एवं श्री रोहित वैश्य सहित आदि निवेशकों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद कौशाम्बी प्रदेश के अन्य जनपदां की तुलना में पिछड़ा जनपद समझा जाता हैं, फिर भी निवेशकों द्वारा जनपद में रू0-1167 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी निवेशकों को धन्यवाद एवं भरोसा दिलाते हुए कहा कि जनपद में आपका निवेश पूरी तरह से सुरक्षित है तथा शासन द्वारा उपलब्ध करायी जा रहीं हर सम्भव मदद आपको प्रदान की जायेंगी एवं जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा आपकी समस्या का समाधान तत्काल किया जायेंगा। उन्हांने कहा कि अगर और भी निवेशक जनपद में निवेश करना चाहतें हों तो वे निवेश कर सकतें हैं। शासन द्वारा निवेशकों को बहुत सी सुविधायें प्रदान की गयी हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक सिंगल विन्डो सिस्टम-निवेश मित्र पोर्टल पर अपना आवेदन अपलोड कर सभी विभागों से आवश्यक एनओसी प्राप्त कर सकतें है। उन्होंने कहा कि जनपद में पुलिस लाइन के पीछे औद्योगिक क्षेत्र एवं कड़ा में मिनी औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें, आगे चलकर अपना स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं तो अभी से रोडमैप तैयार करनें के लिए विचार करें। पुलिस अधीक्षक श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उद्यमियों एवं व्यापारियों को आश्वस्त किया कि आप लोग जनपद में अपना उद्यम स्थापित करें एवं व्यापार करें, कोई अपराधी आपको परेशान एवं रंगदारी नहीं मॉग सकता, अगर कोई मॉगता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जायेंगी। उपायुक्त उद्योग श्री एस0 सिद्दीकी ने बताया कि जनपद कौशाम्बी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के तहत रू0-300 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 91 निवेशकों द्वारा रू0-1167.66 करोड़ निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, इससे जनपद में लगभग 19 हजार 107 रोजगार सृजित होगा। उन्होंने बताया कि इस इन्वेस्टर्स समिट में जनपद के निवेशकों के साथ ही प्रयागराज, फतेहपुर, गोरखपुर, गाजियाबाद, नोएडा, मुम्बई के निवेशकों द्वारा जनपद में निवेश करने के लिए एमओयू साइन किया गया है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपनी नवीन औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति के माध्यम से वैश्विक निवेश आकर्षित करने के उददेश्य से 10 से 12 फरवरी 2023 तक लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश में नई औद्योगिक निवेश नीति के अन्तर्गत निवेश करने वाले नव उद्यमियों को-स्टाम्प ड्यूटी में छूट (बुन्देलखण्ड एवं पूर्वांचल में 100 प्रतिशत), एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, पूंजीगत सब्सिडी एवं ब्याज सब्सिडी, एमएसएमई सेक्टर में गुणवत्ता सुधार को प्रोत्साहन, एमएसएमई सेक्टर में पर्यावरण सुधार के लिए उपायों को प्रोत्साहित करना, इलेक्ट्रीसिटी ड्यूटी में छूट, तकनीकी उन्नयन योजना में छूट, प्रदेश में स्थापित होने वाले नये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को उनके द्वारा किये गये स्थायी पूंजी निवेश के आधार पर सूक्ष्म इकाईयों को 25 प्रतिशत, लघु इकाईयों को 20 प्रतिशत निवेश प्रोत्साहन सहायता दिया जायेगा एवं प्रदेश में स्थापित होने वाले नये सूक्ष्म उद्योग के लिए पूंजीगत ब्याज उपादान के सम्बन्ध में ऋण पर देय वार्षिक ब्याज का 50 प्रतिशत अधिकतम रू० 25 लाख प्रति इकाई 05 वर्षों के लिये सुविधायें प्रदान की जा रही हैं। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि जनपद में निवेश के लिए श्री प्रकाश दुबे द्वारा मसाला उद्योग स्थापित करने के लिए रू0-50 करोड़ के एमओयू पर साइन किया गया है। इसी प्रकार श्री शिवम केसरवानी द्वारा कोल्ड स्टोरेज की स्थापना के लिए रू-10 करोड़, मनीषा देवी द्वारा उद्योग की स्थापना के लिए रू0-10 करोड़, श्री राजखेम सिंह द्वारा 50 करोड़, श्री रामकृष्ण केसरवानी द्वारा 50 करोड़, श्री चन्द्र प्रकाश द्वारा 10 करोड़, श्री अवधेश नारायण शुक्ला द्वारा 10 करोड़, प्रिया पाण्डेय द्वारा 10 करोड़, श्री मोहित केसरवानी द्वारा राइस मिल की स्थापना के लिए 15 करोड़, मो0 अलीम द्वारा फूड प्रोसेसिंग की स्थापना के लिए 50 करोड़, श्री वेद प्रकाश पाण्डेय द्वारा मसाला उद्योग की स्थापना के लिए 10 करोड़, श्री रमेश चन्द्र वैश्य द्वारा मेडिकल शिक्षा की स्थापना के लिए 50 करोड़,

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

आओ अपनी मां पृथ्वी को बचाएं - अपने कर्तव्यों को निभाए प्रकृति और उसके संसाधनों को बचाने वाले मानव प्यार और सम्मान के पात्र हैं

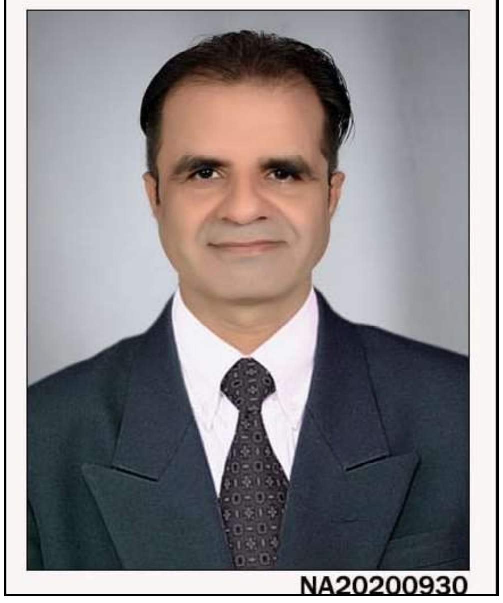

गोंदिया – प्राकृतिक संसाधनों के अथक मानव अति दोहन से प्राकृतिक मौसम पैटर्न अति असामान्य,जैव विविधता को नुकसान, वन्यजीवों के आवासों का विनाश, जीवो की जातियों प्रजातियों की विविलुप्ता, भूस्खलन, तूफान, जंगलों में आग, ज्वालामुखी जैसी अनेकों घटाएं आज के प्राकृतिक मौसम पैटर्न परिपेपक्ष में भारी बदलाव दिखता है जिसका मुख्य कारण मां पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का मानवीय जीव द्वारा अति दोहन है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ अपनी मां पृथ्वी को बचाएं,अपने कर्तव्यों को निभाए, सरकारों द्वारा बनाए गए अधिनियमों नियमों विनियमों अंतरराष्ट्रीय संधियों का कड़ाई से पालन करें।

साथियों बात अगर हम प्रकृति के संरक्षण की करें तो आज समय आ गया है कि हर मानव जीव को तात्कालिक इसके संरक्षण रूपी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी ही होगी क्योंकि यह सिर्फ पर्व या उत्सव मनाने, भाषण देने, वार्तालाप करने से नहीं बल्कि हमें इसके आचरण में उतरना होगा प्रकृति प्रेम तभी हो सकेगा जब पर्यावरण का संरक्षण होगा आइए, एक संकल्प लें कि अपनी ओर से पर्यावरण को संरक्षित करें। न केवल नए पौधे लगाएं बल्कि पुराने पेड़ों के संरक्षण का भी प्रयास करें। जलस्त्रोतों को संरक्षित करने में आगे आएं। विदेशों में आप देखेंगे कि सड़क के दोनों ओर हरियाली नजर आती है लेकिन अपने देश में सड़क के दोनों ओर पॉलीथिन उड़ते नजर आ जाएगी। सड़क पर दौड़ती कार के शीशे से चिप्स के रैपर, पॉलीथिन फेंकने वाले लोग भी हम ही हैं। वन्यजीवों के प्रति भी हमारे कान बंद हो गए हैं। चिड़िया पानी के बगैर तड़प रही हैं। पर्यावरण में पेड़ लगाने के साथ-साथ पारिस्थिति तंत्र को सुरक्षित रखने के लिए आगे आएं। घर के बाहर चिड़ियों के लिए पानी रखें। यह कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि गोवंश पानी के लिए तड़प रहे हैं, अगर हम उन्हें पानी पिला लें तो यह भी पर्यावरण के प्रति हमारा योगदान होगा।

साथियों बात अगर हम प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियमों नियमों विनियमों कार्यक्रमों की करें तो राष्ट्रीय आर्द्रभूमि (वेटलेंड) संरक्षण कार्यक्रम,नगर वाहन उद्यान योजना,प्रोजेक्ट टाइगर
स्वच्छ भारत अभियान,मगरमच्छ संरक्षण परियोजना,
यूएनडीपी समुद्री कछुआ परियोजना,प्रोजेक्ट हाथी,मत्स्य पालन अधिनियम 1897,भारतीय वन अधिनियम 1927
खनन और खनिज विकास विनियमन अधिनियम 1957 पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम 1960, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974, वन संरक्षण अधिनियम 1980, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1981, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986
जैविक विविधता अधिनियम 2002, आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन नियम 2010 इत्यादि बनें हैं।

साथियों बात अगर हम मां पृथ्वी की करें तो, पृथ्वी ने हमें पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, भोजन आदि जैसी जीने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की हैं, इसलिए हमें प्रकृति को स्वच्छ और स्वस्थ रखना चाहिए। औद्योगिक विकास और कई अन्य कारक भी प्रकृति की बिगड़ती स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। हम जो भी करते हैं, वह दुनिया को प्रभावित करता है, क्योंकि दुनिया एक है और किसी तरह एक साथ जुड़ी हुई है, इसलिए जरूरी है पर्यावरण संरक्षणरू प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। यहां तक कि वैज्ञानिकों ने भी हमें निकट भविष्य में बड़े पैमाने पर विलुप्ति को लेकर चेतावनी दी है। प्रकृति के बारे में कई शोधों से पता चला है कि संसाधन बर्बाद हो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान में वृद्धि हो रही है। तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है और मीठे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे जान का खतरा है। हम प्राकृतिक संसाधनों के साथ एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में दिन प्रतिदिन बिगड़ते पर्यावरण को लेकर चुनौती यह है कि सतत विकास को प्राप्त करने के लिए प्रकृति को कैसे संरक्षित किया जाए।

साथियों बात अगर हम प्रकृति संरक्षण के अर्थ की करें तो गिफोर्ड पिंचोट के अनुसार, संरक्षण का अर्थ मानव संसाधन की स्थायी भलाई के लिए पृथ्वी और उसके संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग से हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों में हवा, खनिज, पौधे, मिट्टी, पानी और वन्यजीव शामिल हैं।संरक्षण इन संसाधनों की देखभाल और सुरक्षा है ताकि इन्हें आने वाली पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा सके।

साथियों इस दिन का उद्देश्य विश्व को स्वस्थ रखने के लिए पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करना है। साथ ही पौधों और जानवरों को बचाना, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं। प्रकृति के विभिन्न घटकों जैसे वनस्पतियों और जीवों, ऊर्जा संसाधनों, मिट्टी के पानी और हवा को बरकरार रखना है।

साथियों बात अगर हम प्रकृति के संरक्षण के महत्व की करें तो, प्रकृति हमें हमारी दैनिक जरूरतों के लिए सभी आवश्यक चीजें प्रदान करती है। अधिक जनसंख्या और मानवीय लापरवाही के कारण हम अपने संसाधनों का अत्यधिक दोहन करने लगे। अगर ऐसा ही चलता रहा तो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए कोई संसाधन नहीं बचेगा संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता हैरूपारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करके जीवन का समर्थन करना यह सुनिश्चित करने के लिए कि आने वाली पीढ़ियां संसाधनों तक पहुंच सकें, जैव विविधता के संरक्षण के लिए मानव जाति के जीवित रहने को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं

साथियों बात अगर हम विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के इतिहास की करें, पिछली शताब्दी के दौरान मानवीय गतिविधियों का प्राकृतिक वनस्पति और अन्य संसाधनों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण की तलाश और लगातार बढ़ती आबादी के लिए जगह बनाने के लिए वनों के आवरण को काटने से जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय प्रभाव पैदा हुए हैं। अफसोस की बात है कि यह दुनिया भर में प्रकृति संरक्षण के लिए इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर जैसे संगठन महत्वपूर्ण हैं लेकिन उसके बावजूद भी हम प्रकृति को संरक्षित करने में सफल नहीं हो पाए हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे आओ अपनी मां पृथ्वी को बचाएं, अपने कर्तव्यों को निभाएं। प्रकृति और उसके संसाधनों को बचाने वाले मानव प्यार और सम्मान के पात्र हैं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए बनाए गए अधिनियमों नियमों विनियमों अंतरराष्ट्रीय संधियों का पालन अपनी मां पृथ्वी को बचाने के लिए करना तात्कालिक जरूरी है।

पुलिस के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का धरना प्रदर्शन में हुआ बवाल, दरोगा ने किया जिलाध्यक्ष के गाड़ी का चालान

एट (जालौन) नगर पंचायत में भाजपा के कोषाध्यक्ष कार्तिक त्रिपाठी अपने साथियों के साथ थाना कोतवाली गेट के सामने पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। 10 मिनट बीतने के बाद पुलिस एक्शन में आ गई पुलिस ने कुछ भाजपा के कार्यकर्ता को कार्तिक त्रिपाठी सहित गाड़ी में बिठा लिया इससे पहले विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गुरु प्रसाद शर्मा ने थाना प्रभारी शशि भूषण श्री कहा कि मैं पुलिस एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य करवाए देता हूं गुरुप्रसाद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को समझा कर धरना समाप्त करने की अपील की सभी कार्यकर्ता मानने को तैयार हो गए इसके बावजूद थाना प्रभारी ने गुरु प्रसाद जी की गाड़ी का चालान 15000 रुपए का काट दिया साथ में कार्तिक त्रिपाठी जो गाड़ी में कार्यकर्ताओं को लेकर आए थे उस गाड़ी का चालान भी 15000 रुपए का काट दिया एस एच ओ का गलत रवैया देखकर गुरु प्रसाद शर्मा ने कप्तान महोदय इस घटनाक्रम के बारे में अवगत कराया कि थाना प्रभारी महोदय थाने को अपने मनमानी तरीके से चला रहे हैं कप्तान महोदय ने फोन द्वारा सीओ कोच शैलेंद्र कुमार बाजपेई को निर्देशित किया कि पहुंचकर घटनाक्रम का जायजा लें सी ओ महोदय ने गुरु प्रसाद शर्मा से बात करके उनको अमर शांति आश्रम पचोखरा ले आए घटना की सारी जानकारी ली जानकारी के बाद सीओ ने गुरुप्रसाद शर्मा से वार्ता की। जिस पर जिलाध्यक्ष गुरुप्रसाद शर्मा ने कहा कि आप घटनाक्रम को निष्पक्षता से समझ ले यदि सामाजिक हित , पार्टी हित में एवं कार्यकर्ताओं के हित इसी में है कि आप इनको निलंबित करें 24 घंटे का आपको हम लोग शांत रहेंगे एव जब तक हम लोग कोई भी प्रदर्शन नहीं करेंगे यदि उचित निर्णय नहीं हुआ तो हम व्यापक आंदोलन की शुरुआत करेंगे घटनाक्रम की जानकारी भारतीय जनता पार्टी के विधायक , सांसद, जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष एव वरिष्ठ पदाधिकारीयो दे दी गई है।

कृष्णकुलम स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन- प्राची को मिस फेयरवेल और सारांश को मिस्टर फेयरवेल चुना गया

मथुरा के एक स्थानीय होटल में कृष्णकुलम विद्यालय में 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए डेस्पेडिडा नाम से विदाई समारोह आयोजन हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रमुख राजनीतिज्ञ व समाजसेवी के साथ साथ कृष्णकुलम के चेयरमैन कृष्ण कुमार शर्मा मुन्ना भैया एड०, राधा इंटरनेशनल अलीगढ़ के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार नगाइच, प्रमुख युवा व्यापारी अंकित बंसल, सेक्रेटरी ई० दीपक मुकुटमणि एड़०, ऐकडेमिक डायरेक्टर पवन इंद्रमणि और प्रधानाचार्या शुभम् गोधर माँ सरस्वती और योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

कक्षा 11 के छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम का संचालन किया, कार्यक्रम की शुरूआत जूनियर्स द्वारा सीनियर्स के सम्मान में स्वागत गीत से हुई। इसके उपरांत लड़के और लड़कियों ने माडलिंग कर सभी का दिल जीत लिया। माडलिंग में दो राउंड थे। जिसमें प्रश्नोत्तर भी शामिल था। विद्यार्थियों ने रैंप वाक भी की। विद्यार्थियों ने गीत, संगीत व नृत्य कला से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया है। विद्यार्थियों के एक समूह ने कक्षा की अवस्था पर एक गतिविधि प्रस्तुत की। छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे के साथ बिताएं दिनों की खट्टी-मीठी यादों को एक दूसरे से साझा किया और एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। कक्षा 11 के बच्चों ने कक्षा 12 के अपने सीनियर्स को टाईटल्स के साथ साथ खुद्द से तैयार किए गिफ्ट भी प्रदान किए। विदाई समारोह में मिस फेयरवेल प्राची प्राची शर्मा और मिस्टर फेयरवेल सारांश शर्मा को चुना गया, उन्हें सेशे पहना कर सम्मानित किया।

कृष्ण कुमार शर्मा मुन्ना भैया ने कहा कि विदाई समारोह में जिम्मेदारियों का अहसास होता है। जो देश के उज्जवल भविष्य की कड़ी से जुड़ता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्कूल में जो नैतिक शिक्षाएं उन्होंने प्राप्त की थीं, वह आज उन्हें उनके राजनैतिक और सामाजिक जीवन में भी मदद कर रही हैं।

दीपक मुकुटमणि ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कोरोना के कारण परीक्षा का परिणाम पूर्ण रूप से नहीं आया था, दो वर्षों बाद बोर्ड पुराने तरीके से परीक्षा संचालित कर रहा हैं, जिससे विद्यार्थीयों पर अतिरिक्त भार रहेगा। उन्होंने कहा कि मथुरा शहर के बच्चे का परिणाम स्कूलों से ज्यादा ट्यूशन पर निर्भर रहता हैं, कृष्णकुलम एक ऐसी उदाहरण स्थापित करना चाहता हैं जहाँ अभिभावकों को यह विश्वास हों कि बिना ट्यूशन के भी अच्छा परीक्षा परिणाम ला सकता हैं, पिछले बोर्ड के परीक्षा परिणामों में स्कूल ने ऐसे कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं

अमेरिका अभी तक निकल नहीं पाया है चीनी गुब्बारे के साये से!

अपनी वायु सीमा में घुस आए चीनी गुब्बारे के साये से अमेरिका अभी निकल नहीं पाया है। देश के सियासी और मीडिया हलकों में लगातार इस घटना की चर्चा गर्म बनी हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गुरुवार को चीनी गुब्बारे की क्षमताओं के बारे में कुछ नई जानकारियां जारी कीं। साथ ही बताया गया कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) गुब्बारे से संबंधित मिली कई जानकारियों का अभी विश्लेषण कर रहा है। एफबीआई अमेरिका की सर्वोच्च खुफिया और जांच एजेंसी है।

बाइडन प्रशासन ने दावा किया है कि चीन ने गुब्बारों के जरिए दुनिया भर में खुफिया सूचनाएं इकट्ठी की हैं। उधर अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में बाइडन प्रशासन को गुब्बारे को लेकर कई कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ रहा है। सांसदों ने मांग की है कि गुब्बारे के बारे में मिली तमाम गोपनीय सूचनाएं उनके साथ साझा की जाएं। सांसद बार–बार यह पूछ रहे हैं कि गुब्बारे को मार गिराने में इतनी देर क्यों की गई।

बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि चीनी गुब्बारा खुफिया संकेत ग्रहण करने में सक्षम था। उसने यह भी बताया कि ऐसी क्षमता के गुब्बारे पांच महाद्वीपों में 40 से भी ज्यादा देशों के ऊपर से गुजरे हैं। बाइडेन प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि चीनी गुब्बारा जासूसी की इलेक्ट्रॉनिक तकनीक से लैस था। वह अमेरिका में होने वाले संचार की निगरानी करने में भी सक्षम था।

इस बीच एफबीआई ने गुब्बारे के मिले टुकड़ों का विश्लेषण शुरू कर दिया है। अभी तक एफबीआई को जो टुकड़े मिले हैं, उनमें पेलोड नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का अनुमान है कि गुब्बारे पर पेलोड मौजूद था और ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक संकेत उसमें ही रिकॉर्ड हुए होंगे। लेकिन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दोहराया है कि इस गुब्बारे से चीन को कोई वैसी अतिरिक्त सूचना नहीं मिली होगी, जो वह अपने उपग्रहों और अन्य माध्यमों से हासिल कर लेने में सक्षम है।

पेंटागन, अमेरिकी विदेश मंत्रालय और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने गुरुवार को कांग्रेस के सामने गुब्बारे से संबंधित जानकारियां दीं। उसके रिपब्लिकन सांसदों ने बाइडन प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जासूसी कर सकने में सक्षम इस गुब्बारे को प्रशासन ने अमेरिका के कई इलाकों के ऊपर से गुजरने दिया। उसके बाद जाकर उसे गिराया गया।

अधिकारियों ने कांग्रेस के सामने कहा कि यह गुब्बारा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बिना जानकारी के उड़ाया गया था। अमेरिकी टीवी चौनल सीएनएन के मुताबिक अमेरिका की खुफिया एजेंसियों में फिलहाल यह राय है की शी को इस बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन यह उनका अंतिम निष्कर्ष नहीं है।

अधिकारियों ने कांग्रेस में ब्रीफिंग के दौरान दावा किया कि गुब्बारे से चीन को कोई खास खुफिया सूचना नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि जैसे ही चीन को यह मालूम हुआ कि इस बारे में अमेरिका को भनक लग गई है, गुब्बारे से ट्रांसमिशन रोक दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि मार गिराए गए गुब्बारे के जो हिस्से उन्हें मिले हैं, वे अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

अपनी वायु सीमा में घुस आए चीनी गुब्बारे के साये से अमेरिका अभी निकल नहीं पाया है। देश के सियासी और मीडिया हलकों में लगातार इस घटना की चर्चा गर्म बनी हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गुरुवार को चीनी गुब्बारे की क्षमताओं के बारे में कुछ नई जानकारियां जारी कीं। साथ ही बताया गया कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) गुब्बारे से संबंधित मिली कई जानकारियों का अभी विश्लेषण कर रहा है। एफबीआई अमेरिका की सर्वोच्च खुफिया और जांच एजेंसी है।

बाइडन प्रशासन ने दावा किया है कि चीन ने गुब्बारों के जरिए दुनिया भर में खुफिया सूचनाएं इकट्ठी की हैं। उधर अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में बाइडन प्रशासन को गुब्बारे को लेकर कई कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ रहा है। सांसदों ने मांग की है कि गुब्बारे के बारे में मिली तमाम गोपनीय सूचनाएं उनके साथ साझा की जाएं। सांसद बार–बार यह पूछ रहे हैं कि गुब्बारे को मार गिराने में इतनी देर क्यों की गई।

बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि चीनी गुब्बारा खुफिया संकेत ग्रहण करने में सक्षम था। उसने यह भी बताया कि ऐसी क्षमता के गुब्बारे पांच महाद्वीपों में 40 से भी ज्यादा देशों के ऊपर से गुजरे हैं। बाइडेन प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि चीनी गुब्बारा जासूसी की इलेक्ट्रॉनिक तकनीक से लैस था। वह अमेरिका में होने वाले संचार की निगरानी करने में भी सक्षम था।

इस बीच एफबीआई ने गुब्बारे के मिले टुकड़ों का विश्लेषण शुरू कर दिया है। अभी तक एफबीआई को जो टुकड़े मिले हैं, उनमें पेलोड नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का अनुमान है कि गुब्बारे पर पेलोड मौजूद था और ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक संकेत उसमें ही रिकॉर्ड हुए होंगे। लेकिन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दोहराया है कि इस गुब्बारे से चीन को कोई वैसी अतिरिक्त सूचना नहीं मिली होगी, जो वह अपने उपग्रहों और अन्य माध्यमों से हासिल कर लेने में सक्षम है।

पेंटागन, अमेरिकी विदेश मंत्रालय और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने गुरुवार को कांग्रेस के सामने गुब्बारे से संबंधित जानकारियां दीं। उसके रिपब्लिकन सांसदों ने बाइडन प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जासूसी कर सकने में सक्षम इस गुब्बारे को प्रशासन ने अमेरिका के कई इलाकों के ऊपर से गुजरने दिया। उसके बाद जाकर उसे गिराया गया।

अधिकारियों ने कांग्रेस के सामने कहा कि यह गुब्बारा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बिना जानकारी के उड़ाया गया था। अमेरिकी टीवी चौनल सीएनएन के मुताबिक अमेरिका की खुफिया एजेंसियों में फिलहाल यह राय है की शी को इस बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन यह उनका अंतिम निष्कर्ष नहीं है।

अधिकारियों ने कांग्रेस में ब्रीफिंग के दौरान दावा किया कि गुब्बारे से चीन को कोई खास खुफिया सूचना नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि जैसे ही चीन को यह मालूम हुआ कि इस बारे में अमेरिका को भनक लग गई है, गुब्बारे से ट्रांसमिशन रोक दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि मार गिराए गए गुब्बारे के जो हिस्से उन्हें मिले हैं, वे अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

अपनी वायु सीमा में घुस आए चीनी गुब्बारे के साये से अमेरिका अभी निकल नहीं पाया है। देश के सियासी और मीडिया हलकों में लगातार इस घटना की चर्चा गर्म बनी हुई है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गुरुवार को चीनी गुब्बारे की क्षमताओं के बारे में कुछ नई जानकारियां जारी कीं। साथ ही बताया गया कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) गुब्बारे से संबंधित मिली कई जानकारियों का अभी विश्लेषण कर रहा है। एफबीआई अमेरिका की सर्वोच्च खुफिया और जांच एजेंसी है।

बाइडन प्रशासन ने दावा किया है कि चीन ने गुब्बारों के जरिए दुनिया भर में खुफिया सूचनाएं इकट्ठी की हैं। उधर अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में बाइडन प्रशासन को गुब्बारे को लेकर कई कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ रहा है। सांसदों ने मांग की है कि गुब्बारे के बारे में मिली तमाम गोपनीय सूचनाएं उनके साथ साझा की जाएं। सांसद बार–बार यह पूछ रहे हैं कि गुब्बारे को मार गिराने में इतनी देर क्यों की गई।

बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि चीनी गुब्बारा खुफिया संकेत ग्रहण करने में सक्षम था। उसने यह भी बताया कि ऐसी क्षमता के गुब्बारे पांच महाद्वीपों में 40 से भी ज्यादा देशों के ऊपर से गुजरे हैं। बाइडेन प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि चीनी गुब्बारा जासूसी की इलेक्ट्रॉनिक तकनीक से लैस था। वह अमेरिका में होने वाले संचार की निगरानी करने में भी सक्षम था।

इस बीच एफबीआई ने गुब्बारे के मिले टुकड़ों का विश्लेषण शुरू कर दिया है। अभी तक एफबीआई को जो टुकड़े मिले हैं, उनमें पेलोड नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का अनुमान है कि गुब्बारे पर पेलोड मौजूद था और ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक संकेत उसमें ही रिकॉर्ड हुए होंगे। लेकिन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दोहराया है कि इस गुब्बारे से चीन को कोई वैसी अतिरिक्त सूचना नहीं मिली होगी, जो वह अपने उपग्रहों और अन्य माध्यमों से हासिल कर लेने में सक्षम है।

पेंटागन, अमेरिकी विदेश मंत्रालय और अमेरिका की

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्क:- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

दूसरे दिन रोहित के बाद जडेजा अक्षर ने बल्ले से किया कमाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर टेस्ट के दूसरे दिन भी टीम इंडिया का दबदबा बना रहा। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत का स्कोर 321ध्7 है। भारत के पास 144 रन की बढ़त है और उसके तीन विकेट बचे हुए हैं। इसके अलावा दो सेट बल्लेबाज क्रीज पर हैं। रवींद्र जडेजा 66 और अक्षर पटेल 52 रन बनाकर खेल रहे हैं। मैच में तीन दिन का खेल बाकी है। ऐसे में टीम इंडिया तीसरे दिन भी ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहेगी। मैच में दूसरे दिन क्या हुआ? 77ध्1 से आगे खेलते हुए भारत ने अच्छी शुरुआत की। रोहित और अश्विन ने दूसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसके बाद अश्विन 23 रन बनाकर मर्फी का दूसरा शिकार बने। तीसरे नंबर पर आए पुजारा ने खराब शॉट पर मर्फी को विकेट दिया। वह सिर्फ सात रन बना पाए। लंच के बाद पहली गेंद पर कोहली भी लेग स्टंप के बाहर की गेंद पर मर्फी को विकेट दे गए। उन्होंने 12 रन बनाए और खराब किस्मत के चलते आउट हुए। टेस्ट मैच की पहली पारी में सूर्यकुमार आठ रन बना पाए और लियोन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद कप्तान रोहित ने जडेजा के साथ मिलकर भारतीय पारी को संभाला।

रोहित और जडेजा के बीच 61 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान रोहित ने अपना शतक भी पूरा किया। नई गेंद आने के बाद पैट कमिंस ने उन्हें 120 रन के स्कोर पर बोल्ड किया। इसके बाद आए श्रीकर भरत भी आठ रन बनाकर मर्फी के पांचवें शिकार बने। एक समय ऐसा लग रहा था कि भारत की पारी दूसरे दिन ही खत्म हो जाएगी, लेकिन जडेजा और अक्षर ने ऐसा नहीं होने दिया। इन दोनों ने अब तक 81 रन की साझेदारी की है। जडेजा 66 और अक्षर 52 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों मैच के तीसरे दिन भारत की बढ़त को 200 रन के पार ले जाने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा दोनों की कोशिश शतकीय पारी खेलने की होगी। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन भारत के लिए मोहम्मद सिराज और शमी ने शानदार शुरुआत की। दो रन के स्कोर पर कंगारू टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद स्मिथ और लाबुशेन ने शानदार साझेदारी कर टीम को संभाला और लंच तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। पहले सत्र में भारत को दो विकेट मिले और ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन बनाए। दूसरे सत्र में जडेजा ने मार्नस लाबुशेन को 49 रन के स्कोर पर आउट कर 82 रन की साझेदारी तोड़ी फिर मैट रेनशॉ को अगली ही गेंद में आउट कर दिया। कुछ समय बाद स्टीव स्मिथ भी 37 रन बनाकर जडेजा के शिकार बन गए। 109 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम बैकफुट पर आ गई। हालांकि, पीटर हैंड्सकॉम्ब और एलेक्स कैरी ने 53 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापस लाने की कोशिश की, लेकिन अश्विन ने कैरी को अपने टेस्ट करियर का 450वां शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने पैट कमिंस को खाता भी नहीं खोलने दिया। चायकाल से पहले जडेजा ने टॉड मर्फी को आउट कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 174ध्8 कर दिया।

तीसरे सत्र में जडेजा ने पीटर हैंड्सकॉम्ब को 31 रन के स्कोर पर आउट किया और टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार पारी में पांच विकेट हासिल किए। इसके बाद अश्विन ने स्कॉट बोलैंड को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 177 रन पर खत्म कर दी। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 76 रन जोड़े। पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले राहुल 20 रन बनाकर टॉड मर्फी की गेंद पर आउट हुए।

उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि यूपी की योगी और केंद्र की मोदी सरकार गरीबों की हर तरह से मदद कर रहीं हैं

कोंच। उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि यूपी की योगी और केंद्र की मोदी सरकार गरीबों की हर तरह से मदद कर रहीं हैं। जो भी योजनाएं बनाई जा रही हैं उनमें गरीबों का हित प्राथमिकता पर है ताकि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो। गंभीर बीमारी की स्थिति में भी पांच लाख तक की इमदाद सरकार की तरफ से करने का प्रावधान है। यह बात उन्होंने यहां भगतसिंह नगर में किन्नर गुरु सलमा के आवास पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम के दौरान कही।

किन्नर गुरु सलमा ने गुरुवार को उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा का सम्मान कार्यक्रम अपने आवास पर आयोजित किया। कार्यक्रम संयोजक सलमा ने कहा कि सिर्फ भाजपा की सरकार ने ही किन्नरों को सम्मान दिया है जिसके लिए किन्नर समाज हमेशा भाजपा का आभारी रहेगा। विधायक के अलावा उनके साथ आए भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेंद्र सोनी, अमित उपाध्याय, नरेश वर्मा आदि का भी माल्यार्पण और अंगवस्त्र ओढ़ा कर सम्मान किया। विधायक ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है जिसमें एक तबका किन्नर भी है। इस दौरान किन्नर सरोज, काजी जहीर आदि मौजूद रहे।

जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 4.0 के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम

जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 4.0 के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग से महिला कल्याण अधिकारी अलकमा अख्तर द्वारा सरस्वती शिशुधविद्या मंदिर इंटर कालेज राजेन्द्र नगर उरई में आयोजित किया गया। महिला कल्याण अधिकारी अलकमा अख्तर ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत बाल विवाह, स्वास्थ्य एवं पोषण तथा पीसीपीएनडीटी एक्ट के बारे में छात्राओं को जागरूक किया । छात्राओं को बताया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट भारत में कन्या भ्रूण हत्या और गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिए भारत की संसद द्वारा पारित एक संघीय कानून है। इसी के साथ ही उन्होने घरेलू हिंसा, बाल विवाह, लिंग परीक्षण, कन्या भ्रूण हत्या आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के बारे में बताते हुए कहा कि इस अधिनियम का उद्देश्य घरेलू हिंसा से महिलाओं को बचाना और पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होने कहा कि महिलाओं का समाज में जहां भी शोषण हो, उसका कड़ा विरोध करें। छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के विषय में जानकारी दी कि इस योजना में बालिका को जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई हेतु छह चरणों में 15000 रूपये की आर्थिक धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है इस योजना का लाभ लेने के लिए लोकवाणी केंद्र जाकर ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें।

इसी के साथ ही जिला समन्वयक नीतू देवी ने महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत हेल्पलाइन नम्बर 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवाएं एवं 108 एम्बूलेंस सेवाएं, के बारे में बताया। स्टाफ नर्स अर्चना ने सखी वन स्टॉप सेंटर पर सरकार द्वारा जो सेवाएं प्रदान की जा रही उसके विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य परशुराम जी एवं कालेज के अध्यापक तथा अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

जनपद जालौन, 09 फरवरी 2023 सूचना विभाग प्रकाशनार्थ।

जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने आज विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। संबंधित विभाग द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत बोरिंग एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि झटपट पोर्टल जर्जर तार खराब ट्रांसफर आदि के संबंध तत्काल प्रभाव से कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कृषि अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से पात्र लाभार्थियों को शत प्रतिशत लाभान्वित किया जाए साथ ही फसल बीमा की भी समीक्षा की। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि निराश्रित गोवंश को चिन्हित कर गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि सांड को संरक्षित करने हेतु कार्य योजना बनाई जाए ताकि सांड से भी निजात मिल सके। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान चिकित्सकों की उपलब्धता जन आरोग्य योजना, गोल्डन कार्ड, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, आशाओं के भुगतान जननी सुरक्षा योजना आदि बिंदुओं पर विशेष चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी आने से पहले हैंडपंप रिबोर, खराब हैंडपंप को चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से सही कराया जाए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाओं को लेकर एक अभियान चलाकर सचिव एवं पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में वृद्धा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन एवं निराश्रित महिला पेंशन के आवेदन शीघ्र ही कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूलों का निरीक्षण निरंतर किया जाए साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि स्कूल में शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति रहे। उन्होंने कहा कि बच्चों की उपस्थिति कम होने पर संबंधित प्रधानाध्यापकों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए। इसके उपरांत प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना प्रधानमंत्री, ग्रामीण आवास योजना आदि संचालित योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि सभी योजनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी यह सुनिश्चित रखें। उन्होंने समस्त अधिकारियों को कहा कि आपस में समन्वय स्थापित रखें ताकि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभय कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक शिवाकांत द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कुमार आदि सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पीड़ित परिवार ने दबंगों के खिलाफ कोतवाली में न्याय की गुहार लगाई

कालपी जालौन कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम हीरापुर में दबंगों ने एक परिवार के सदस्य की 1 साल पहले हत्या की थी अब वही दबंग पीड़ित परिवार को आए दिन कहर ढा कर उत्पीड़न कर रहा है इतना भी नहीं हत्या करने की धमकी दे रहा है उक्त दबंगों के भय से पूरा परिवार गांव से पलायन करने के लिए विवश हो रहा है उक्त घटना में पीड़ित ने कोतवाली कालपी में शिकायती पत्र प्रस्तुत कर दबंग हमलावर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने तथा न्याय की गुहार लगाई।उक्त गांव के निवासी राम सिंह पुत्र हरिराम ने गुरुवार के दिन कोतवाली कालपी में पुलिस को शिकायत पत्र देते हुए अवगत कराया कि गांव के सोनू पुत्र मनोज मनोज पुत्र मंसाराम समेत परिवार मुझसे रंजिश मानता है मेरा पुत्र शेर सिंह 8 फरवरी वर्ष 2023 समय 2 वजे दिन को शौच क्रिया करके अपने घर वापस आ रहा था तभी रास्ते में सोनू व मनोज समेत दोनों लोग मिल गए एवं मेरे पुत्र से बेवजह गाली गलौज करने लगे प्रार्थी के पुत्र ने उक्त लोगों से गाली गलौज देने का कारण पूछा तो उक्त लोग प्रार्थी के पुत्र को मारने पीटने पर आमादा हो गए उक्त घटना से मेरा पुत्र अपनी जान बचाकर घर आ गया उसी समय उपरोक्त दबंग मेरे पुत्र का पीछा करते हुए प्रार्थी के घर पर धारदार हथियार के सहित घुस कर गाली गलौज करके मारपीट करने लगे घर पर मौजूद मेरी पत्नी पुत्र को बचाने के लिए दौड़ी उपरोक्त लोग गाली गलौज करके मारपीट की घटना को अंजाम देने लगे घटना में शोरगुल सुनकर पड़ोसी लोग आए जब उन्होंने हमलावरों को ललकारा तभी हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग खड़े हुए उक्त घटना में पीड़ित ने प्रभारी निरीक्षक से दबंग हमलावरों जेल भेजने हेतु न्याय की गुहार लगाई।

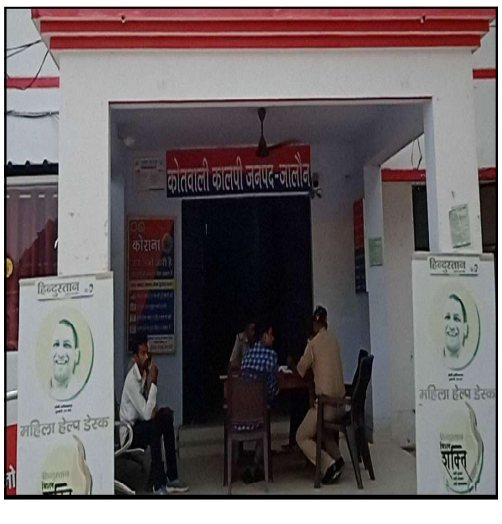

शिक्षिका के पुत्र ने किया नाम रौशन,मिली पीएचडी की उपाधि

कदौरा/जालौन, नगर क्षेत्र के मोहल्ला बमहौरि निवासी उमेश कुमार मिश्रा पुत्र रामाकांत मिश्रा ने अपनी कड़ी मेहनत व लगन से क्षेत्र का नाम रोशन कर पीएचडी की उपलब्धि प्राप्त की उन्होंने बुलदेलखण्ड क्षेत्र में वहने वाली वेतवा नदी के जल में पाए जाने वाले सुक्ष्मजीवो व विभिन्न प्रकार की पाई जाने वाली मछलियो की प्रजाति पर शोध कर तथा जल प्रदूषण के कारण इन पर पड़ने वाले दूसप्रभाव बिषय पर उत्कृष्ट कार्य के लिये शोध कर विज्ञान तथा पर्यवारण के क्षेत्र में बुलदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी के द्वारा 27 वे दीक्षांत समारोह में मानक उपाधी से सम्मानित किया गया जो कि इस क्षेत्र के लिये गर्व का विषय है

उमेश कुमार मिश्रा ने जन्तु विज्ञान विषय मे अपनी कार्य क्षमता और लगन से सूक्ष्म जीवों और विभिन्न प्रकार की पाई जाने वाली मछलियो पर शोध करके अपना लोहा मनवाया

आजकल अधिकतर नदिया जल प्रदूषण का शिकार है जिससे नदियो में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों और मछलियों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है तथा इनके अस्तित्व पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे है और इनकी प्रजातियां भी विलुप्त होने की कगार पर है ,इस पर शोध कर उमेश कुमार मिश्रा ने इन जीवो को बचाने का कार्य किया है

कस्बा के मोहल्ला बमहौरी के निवासी ने बड़ा कार्य कर कस्बे सहित क्षेत का नाम रोशन किया है पिता रामकांत मिश्रा,व मां उमा मिश्रा ने बताया कि शुरू से ही रामकांत को जीवो पर दया दृस्टि का भाव रहता था पिता और मां शिक्षण कार्य जुड़े होने के कारण शिक्षा और दीक्षा की सही दिशा होने से आज अपने पुत्र पर गर्व महसूस कर रही है उक्त सम्मान के कारण कस्बे में स्तिथ स्व गफूर खां महाविद्यालय में जीव विज्ञान प्रमुख की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन से लेकर छात्र एवं छात्राओ में खुशी की लहर है

इस मौके पर विधालय के प्रधानाचार्य डॉ वलराम पाल ने बताया कि उक्त शिक्षक मेहनती और मेधावी है अपने कार्य मे महाविद्यालय को इतनी बड़ी उपलब्धि दिलवाने में सक्षम हुये है ये हमारे लिये गर्व का विषय है महाविद्यालय प्रबंध कमेटी व शिक्षक उनकी इस उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहे है और ये हमारे लिये हर्ष के विषय है,इसी क्रम में विधालय के प्रधानाचार्य व शिक्षकों द्वारा उनको फूल माला पहनाकर व

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.:
UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532-2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail:
Jhuggijhopari@gmail.com
Website-
www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा